दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 129
मुरादाबाद
31 August 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

SCO बैठक में शामिल होने चीन रवाना हुए पीएम मोदी, बोले- जापान की यात्रा याद रखी जाएगी

अमेरिकी टैरिफ से मची वैश्विक उथल-पुथल के बीच पीएम मोदी जापान और चीन के दौरे पर हैं। आज जापान दौरा पूरा कर पीएम मोदी चीन के लिए रवाना हो गए हैं। जापान दौरे के आखिरी दिन पीएम मोदी ने सेनडाई में टोक्यो इलेक्ट्रॉन फैक्ट्री का मुआयना किया। उन्होंने जापान की हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन की सवारी भी की। चीन में पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। चीन में पीएम मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठकें भी करेंगे।पीएम मोदी

बोले- याद रहेगी जापान की यह यात्रा प्रधानमंत्री अपनी जापान की दो दिवसीय यात्रा का समापन कर चीन के लिए रवाना हो गए हैं। जापान यात्रा के समापन पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि जापान की यह यात्रा याद रखी जाएगी। उन्होंने लिखा कि %जापान की यह यात्रा उन उपयोगी परिणामों के लिए याद रखी जाएगी जिनसे हमारे देश के लोगों को लाभ होगा। मैं प्रधानमंत्री इशिबा, जापानी जनता और सरकार को उनकी गर्मजोशी के लिए धन्यवाद देता हूं।% चीन में पीएम मोदी एससीओ बैठक में शिरकत करेंगे, जिसका आयोजन चीन के तियानजिन शहर में होगा। पीएम मोदी ने सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा किया पीएम मोदी ने सेनडाई में सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा किया। इसकी पीएम मोदी ने कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इन तस्वीरों के साथ पीएम मोदी ने लिखा कि प्रधानमंत्री इशिबा और मैंने टोक्यो इलेक्ट्रॉन फैक्ट्री का दौरा किया। हम प्रशिक्षण कक्ष और उत्पादन नवाचार प्रयोगशाला गए और कंपनी के शीर्ष अधिकारियों से बातचीत की। सेमीकंडक्टर क्षेत्र भारत-जापान सहयोग का एक प्रमुख क्षेत्र है। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने इस क्षेत्र में काफी प्रगति की है। बहुत से युवा भी इससे जुड़ रहे हैं। हम आने वाले समय में भी इस गति को जारी रखना चाहते हैं।% सेमीकंडक्टर क्षेत्र की अग्रणी जापानी कंपनी, टीईएल (टोक्यो इलेक्ट्रॉन फैक्ट्री) मियागी, भारत के साथ सहयोग की योजना बना रही है। पीएम मोदी को वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में टीईएल की भूमिका, इसकी उन्नत विनिर्माण क्षमताओं और भारत के साथ इसके चल रहे नियोजित सहयोग के बारे में जानकारी दी गई। अकाउंट पर शेयर की हैं। प्रधानमंत्री सेनडाई में सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा करेंगे। सेंडाई पहुंचे पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुलेट ट्रेन से जापान के सेंडाई पहुंचे, जहां स्थानीय लोगों ने मोदी सैन वेलकम के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। वहीं, बुलेट ट्रेन से सेंडाई रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को टोक्यो में 16 जापानी प्रान्तों के राज्यपालों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के तहत राज्य-प्रान्त सहयोग को मज़बूत करने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस बारे में जानकारी दी। चर्चा में प्रौद्योगिकी, नवाचार, निवेश, कौशल, स्टार्ट-अप और लघु एवं मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में भारतीय राज्यों और जापानी प्रान्तों के बीच बढ़ती साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राज्य-प्रान्तों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और इस संबंध में साझा प्रगति के लिए 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू की गई राज्य-प्रान्त साझेदारी पहल के तहत कार्रवाई करने का आग्रह किया।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी-शाह के रिटायरमेंट पर बोले ओवैसी, तीन बच्चे वाले बयान को लेकर संघ प्रमुख भागवत पर भी बरसे

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित टिप्पणी पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि किस संदर्भ में टीएमसी सांसद ने ऐसा बयान दिया। हमें अमित शाह के साथ मतभेदों पर गर्व है और हम ऐसा करते रहेंगे। उन्होंने तीन बच्चों वाले बयान को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत पर भी निशाना साधा।एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह को राजनीतिक रूप से रिटायर करना चाहिए। हमें उन्हें यह मौका नहीं देना चाहिए कि वे खुद तय करें कि उन्हें कब राजनीति छोड़नी है। इसके अलावा, तीन बच्चों वाले बयान को लेकर ओवैसी संघ प्रमुख मोहन भागवत पर भी बरसे। उन्होंने पूछा कि मोहन भागवत भारतीयों के पारिवारिक जीवन में दखल देने वाले कौन होते हैं? उन्होंने कहा कि ऐसी घोषणाएं महिलाओं पर अनावश्यक बोझ डालेंगी। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित टिप्पणी पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि किस संदर्भ में टीएमसी सांसद ने ऐसा बयान दिया। हमें अमित शाह के साथ मतभेदों पर गर्व है और हम ऐसा करते रहेंगे। लेकिन क्या हम अमित शाह के खिलाफ हिंसा का इस्तेमाल कर सकते हैं? मुझे नहीं लगता।

आकाश आनंद बनाए गए BSP के राष्ट्रीय संयोजक, मायावती के बाद पार्टी के दूसरे सबसे शक्तिशाली नेता बने

बिहार यात्रा से पहले मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। पार्टी में नई जान फूंकने के लिए बसपा सुप्रीमो ने यह फैसला लिया। आकाश अब मायावती के बाद पार्टी के दूसरे सबसे शक्तिशाली नेता बन गए हैं। बिहार में खाता खोलने के लिए वह 10 सितंबर से यात्रा शुरू करेंगे। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे और चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। इस फैसले के बाद सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को रिपोर्ट करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले से आकाश का यूपी और उत्तराखंड की सियासत में भी दखल बढ़ेगा, जिसका दारोमदार फिलहाल मायावती संभाल रही थीं। मायावती द्वारा राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने के बाद आकाश आनंद ने आभार व्यक्त किया है। बता दें कि मायावती ने यह निर्णय आकाश आनंद की बिहार यात्रा से पहले लिया है। बिहार में पार्टी का खाता खोलने की जिम्मेदारी आकाश को दी गई है। वह 10 सितंबर को कैमूर जिले से दस दिवसीय चुनावी यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं। इस दौरान वह राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। चार की जगह छह नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए गएवहीं इससे पहले 31 अगस्त को मुंबई में भी आकाश संगठन की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। इसके अलावा पार्टी ने चार की जगह छह नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए हैं। इनमें रामजी गौतम, राजाराम, रणधीर सिंह बेनीवाल, लालजी मेधांकर, अतर सिंह राव और धर्मवीर सिंह अशोक शामिल हैं।

रोजगार मेला भाजपा के लिए केवल एक इवेंट..., अखिलेश बोले- नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगा जा रहा

भाजपा के लोग विदेश में नौकरी के नाम पर प्लेसमेंट एजेंसी के एजेंट बनकर नाममात्र के वेतन पर युवाओं की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा के लिए नौकरी भी एक जुमला है। लेकिन, प्रदेश के सचेत युवा झांसे में नहीं आएंगे। जहां नौ साल इंतजार किया है, कुछ दिन और कर लेंगे। चुनाव में यही युवा भाजपा सरकार का टोकन काटेंगे। सपा अध्यक्ष ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ये भी बताएं कि विदेश में जाने वाले युवाओं का शोषण नहीं होगा? इसकी गारंटी कौन देगा। लोग रोजी-रोटी की तलाश में बाहर जाने को मजबूर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन साबित कर रहे हैं कि निवेश और उससे सृजित होने वाला रोजगार का दावा फुस्स हो गया है। आरोप लगाया कि सरकार ने गुजरात के लोगों को कारोबार और ठेकों सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि रोजगार मेला भाजपा के लिए केवल एक इवेंट है। नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगा जा रहा है। विदेश में जाने वाले युवाओं का शोषण नहीं होगा? इसकी गारंटी कौन देगा? राजधानी लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लिए रोजगार मेला सिर्फ एक इवेंट है। आरोप लगाया कि नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगा जा रहा है। लगता है में उत्तर प्रदेश के लोगों से ज्यादा काम दिया। स्किल मैपिंग का कोई भी नतीजा नहीं निकला। लोग रोजी-रोटी की तलाश में बाहर जाने को मजबूर हुए। 11 वर्षों में ऐतिहासिक रूप से भारतीयों का विदेश पलायन हुआ सपा मुखिया ने कहा कि सरकार अरबपतियों को सकारात्मक वातावरण नहीं दे पाई। इस वजह से पिछले 11 वर्षों में ऐतिहासिक रूप से भारतीयों का विदेश पलायन हुआ है। पलायन का झूठ फैलाने वाले न तो उत्तर प्रदेश के हितैषी हैं और न ही प्रदेशवासियों के हितैषी हैं।

जल्द हकीकत बनेगी स्वदेशी सुदर्शन चक्र रक्षा प्रणाली, राजनाथ बोले- आत्मनिर्भरता अब समय की मांग

राजनाथ सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर इस समय युद्ध जैसी स्थिति है। विकसित देशों के रवैये की आलोचना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि विकसित देश ज्यादा संरक्षणवादी होते जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि बढ़ते वैश्विक दबाव के चलते भारत का रणनीतिक लचीलापन और जुझारूपन और आत्मनिर्भरता के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि चाहे महामारी हो, आतंकवाद या क्षेत्रीय संघर्ष ये सदी हर मोर्चे पर अस्थिर और चुनौतीपूर्ण साबित हुई है। बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता की अहमियत को भी रेखांकित किया। युद्धपोतों का निर्माण अपने ही देश में हो रहा एक मीडिया कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के समय में आत्मनिर्भरता कोई विकल्प नहीं रह गई है बल्कि ये समय की जरूरत बन गई है। आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ते हुए देश अब युद्धपोतों का निर्माण अपने ही देश में कर रहे हैं। नौसेना ने भी संकल्प लिया है कि वे किसी अन्य

देश से युद्धपोत नहीं खरीदेंगे बल्कि भारत में ही उन्हें बनाया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा हथियारों के मामले में आत्मनिर्भरता के लिए भारत के आत्मनिर्भरता प्रयासों को श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की स्वदेशी सुदर्शन चक्र रक्षा प्रणाली जल्द ही हकीकत बन जाएगी। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने पर राजनाथ सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर इस समय युद्ध जैसी स्थिति है। विकसित देशों के रवैये की आलोचना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि %विकसित देश ज्यादा संरक्षणवादी होते जा रहे हैं।% भारत अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देगा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भले ही बाहरी दबाव हो, लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हितों, खासकर किसानों और छोटे उद्यमियों के हितों को प्राथमिकता देगा। राजनाथ सिंह ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर ये बयान दिया। दरअसल अमेरिका भारत के कृषि क्षेत्र में एंट्री चाहता है, लेकिन भारत सरकार इसके लिए तैयार नहीं है क्योंकि इससे देश के किसानों के हित प्रभावित होंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता, लेकिन अपने लोगों के हितों से समझौता नहीं करेगा।

उपराष्ट्रपति बना तो संविधान की रक्षा करूंगा, उम्मीदवारी को लेकर सांसदों को पत्र लिखेंगे बी रेड्डी

उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मैं दोनों सदनों के सभी सदस्यों को एक विस्तृत पत्र लिखने का प्रस्ताव करता हूं। मैं सभी सदस्यों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे मेरी उम्मीदवारी पर विचार करने की अपील करता हूं।उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि वह अपनी उम्मीदवारी पर विचार करने को लेकर लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को पत्र लिखेंगे। अगर मुझे उपराष्ट्रपति के रूप में सेवा करने का अवसर दिया गया तो वह संविधान की रक्षा करेंगे।उन्होंने कहा कि संविधान के साथ मेरी यात्रा 1971 में शुरू हुई। जब मुझे

आंध्र प्रदेश बार काउंसिल के अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया गया। इसके बाद वे उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश बने। बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मैं किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य नहीं हूं। मैं कभी किसी राजनीतिक दल या संगठन का सदस्य नहीं रहा। भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य बनने का मेरा कोई इरादा नहीं है। यही कारण है कि मैं एकमात्र उम्मीदवार हूं जो सभी राजनीतिक दलों, रंगों, मतों के सांसदों से अनुरोध कर सकता हूं कि वे मेरी उम्मीदवारी पर उसके गुणों के आधार पर विचार करें।उन्होंने कहा कि मैं दोनों सदनों के सभी सदस्यों को एक विस्तृत पत्र लिखने का प्रस्ताव करता हूं। मैं सभी सदस्यों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे मेरी उम्मीदवारी पर विचार करने की अपील करता हूं। मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज पर अपील करुंगा। यदि मुझे मौका मिला तो मैं भाजपा नेतृत्व से मिलने को तैयार हूं। इससे पहले दिन में रेड्डी ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोट मांगने के लिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। ठाकरे ने रेड्डी से कहा कि उनकी पार्टी और महा विकास अघाड़ी के अन्य घटक उपराष्ट्रपति चुनाव में पूरे दिल से उनका समर्थन कर रहे हैं। शिवसेना प्रमुख ने रेड्डी की जीत की उम्मीद जताते हुए कहा कि चमत्कार हो सकते हैं। एनडीए के जो सांसद देश से प्यार करते हैं, वे रेड्डी को वोट दे सकते हैं। बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उद्धव ठाकरे के समर्थन के बिना विपक्ष में मेरी उम्मीदवारी पर आम सहमति संभव नहीं होती। । रेड्डी की उम्मीदवारी का समर्थन करते हुए पवार ने कहा कि जब एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल थे, तब एक मुख्यमंत्री को राजभवन के अंदर गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने पूछा कि वह भारत के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद को क्या सम्मान देंगे? ष्ट्र एक है।

संपादकीय Editorial

Tariff vs Tariff Free

The US has imposed a 50% tariff on India, which has been opposed by countries like China, Russia, Brazil, Australia. It has also been condemned. The agreements and principles of the 'Quad' have also been invoked. India could also have imposed a tariff on the US, but the Modi government has made cotton tariff-free till December 31. Earlier there was an exemption of 11% duty, which was extended till September 30, but now the import of cotton has been made completely free. What kind of Modiism is this or what kind of strategy is this of the government? Got slapped on one cheek and put forward the other cheek too! Because of this, cotton imports may double to more than 20 lakh bales during the first three months of the marketing year 2025-26 starting in October. One bale contains about 170 kg of cotton. What will the Indian farmer do? Will he fry pakodas? The argument being made is that this decision has been taken to help and support the exporters of the textile industry, but what will happen to the 60 lakh cotton producing farmers in India? They may not have understood this game of tariffs right now, but when their crop will have to be sold at a price of Rs 1000-1200 per quintal less in the market, then the collective reactions of the farmers will come to the fore. The international prices of cotton are about 20 percent less than the domestic prices. ICE cotton futures are around 67-68 cents (about 9 rupees) per pound. The price of a candy of about 356 kg is around Rs 46,000, while the domestic prices are around Rs 55,000. Our focus is on America, although cheap cotton is also imported from countries like Brazil, Africa, Australia. The question is about the promise made by Prime Minister Modi from the ramparts of the Red Fort. He had said that if anyone wants to play with the interests of farmers, cattle rearers, dairy owners etc., then Modi will stand in the middle like a wall. Has that wall collapsed so soon? Or has US President Trump's tariffism forced our Prime Minister to be compromising? Will the US obtain permission to enter India's agriculture, animal husbandry and dairy products sector in the coming days? In the US, less than 2 per cent people are dependent on agriculture. America has a lot of corn and soybean. The US government gives a subsidy of more than Rs 65 lakh to farmers. In India, 46 per cent people are involved in agriculture and hence are dependent on it. Most of the farmers are poor and indebted. Loan waivers have also been done, but still farmers are indebted. We do not know what the reality is. Cotton farmers are unable to meet the domestic demand. They do not even get a better MSP for cotton. The basic question is not about MSP and farming. In fact, the Modi government should have retaliated with tariffs on the US, like China, Canada and the European Union did. Aam Aadmi Party (AAP) national convenor Arvind Kejriwal has raised this issue with vigor. However, through various formats of media, the voice of the common man of the country has been echoing that India should double the tariff burden on America. This is not a fight between Modi and Trump. It is a question of justice for the country. America should give up the illusion of considering itself the boss of the world, so it was necessary to give a counter reply. Indian farmers were able to produce only 3.37 crore bales of cotton in 2023, while the domestic demand is more. Of course, the textile industry in India is in deep crisis. Lakhs of jobs are at stake. However, Finance Minister Nirmala Sitharaman has assured an economic package and urged to save livelihoods. If serious conditions arise in the cotton, soy, corn and dairy industries as well, then what will happen to the country's economy? America keeps making claims.

The hero lost in history, the brave King Prithu who defeated Khilji, comes to the surface

It is necessary that any society analyses the feeling of enemy-consciousness. This is necessary because sometimes false beliefs are created about Shivaji Maharaj from unknown sources and sometimes an attempt is made to portray the fanatic Aurangzeb as the protector of temples. It is not surprising that the pseudo secular and status quo class is against the rewriting of history. Recently, the Chief Minister of Assam dedicated a flyover in Guwahati to King Prithu. With this, people's curiosity about King Prithu of 13th century Kamrup (present-day Assam) increased. It increased more because he is lost in history and unknown to the wider national society. Prithu's full name was Vishwasundardev. He was one of the greatest rulers of Kamrup i.e. today's Assam. He ruled from 1185 to 1228. During his reign, he fought against two invaders - Bakhtiyar Khilji and Nasiruddin. He had badly defeated Khilji who destroyed Nalanda. So many heroes like Raja Prithu faced identity crisis in front of their own progeny. Their oblivion is similar to the fact that an oppressor like Salar Masood Ghazi gets fame for his Mazar and Neja Mela and efforts are being made to find Raja Suheldev who freed them from his troubles in research. This happened because history has always been described by the victors. What should have happened was that after independence, Indian historians would have written their history from their own perspective, but in India, first the Islamic invaders, then the European Gaurang Mahaprabhus, the leftists cheated in writing history. In the guise of the so-called composite culture, the leftist historians even polluted the context and perspective of Indian history. Nobel Prize-winning Soviet writer Mikhail Sholokhov mentions a Kazakh song in his novel 'And Quiet Flows the Dawn', 'There are no plough tracks on our land. There are marks of horses' hooves on our land and it is not seeds but the heads of Cossacks that are sown in it.' The people of India also have the same agony as Sholokhov's. The hooves of the horses of the invaders destroyed their glory and tried to destroy their culture. This intellectual dishonesty continued to exist even in the self-rule obtained after 1947. At present, an attempt is being made to make the true depiction of history in accordance with national ideas and cultural values. A sample of this is seen in NCERT books. This is needed because the basis of historical interpretations is the valid beliefs of cultural values. Today, if we are encountering the characters of forgotten historical heroes like Lachit Barphukan, Suheldev, Jhalkari Bai, Daldev Maharaj, Mahaveeradevi Bhangi, Panna Dhay Dhanuk and now Raja Prithu, then it is the result of the spread of the consciousness of historical awareness in the cultural awakening of Indian society. These forgotten heroes are the support of India's conscious nationalism. At present, socio-political movements have also given new dimensions to history. Had there not been such social movements, we would not have known the names of the above historical heroes and heroines. The competition seen some time ago between BJP and SP leaders to garland the statue of Avanti Bai Lodhi in Lucknow proves the consciousness of historical awareness, even if there was political motivation in the background. This is not a context of creating history, but of living it. If history is not presented in its correct context, then future generations will have to read and hear about Sir Syed Ahmed Khan, Iqbal etc., which was written and propagated under a specific agenda. Is it hidden from anyone that the Aligarh Movement became the basis for the creation of Pakistan? History should be determined on appropriate standards and it should not become a factor for false reading. The meaning of history is - this is what happened. The leftists established their agenda on Indian history and created imaginary stories in the name of spreading so-called goodwill. Dr. Ram Manohar Lohia used to say that the self-esteem of those who consider the murderers as their ancestors is false. It is necessary that any society analyses the feeling of enemy-consciousness. This is necessary because sometimes false beliefs are created about Shivaji Maharaj from unknown sources and sometimes an attempt is made to portray the fanatic Aurangzeb as the protector of temples. It is not surprising that the pseudo secular and status quo class is against rewriting history. After all, what was hidden by the earlier historians, the disclosure of which can create conflict? A realistic analysis of history becomes more necessary so that the nation which has gone through the pain of oppression and tyranny knows its real history and alerts the future generations so that it does not have to go through the same pain as before. There is no reason to doubt the intelligence of the public. Present the facts with truth, the public will analyse it itself. In this context, on December 30, 1916, in Ohio, Gurudev Rabindranath Tagore said, "The flag of future civilization can be raised only by freedom from not only our habits, but also freedom from the entire dirty history."

Along with dialogue, vigilance is also necessary, first important meeting after border dispute

Seeing India's adamant attitude, today China is trying to bring back softness in relations. From October 2024 till now, China has not only withdrawn its troops from the disputed areas but has also accepted new arrangements to establish peace on the border. In such changed circumstances, Modi's meeting with Xi and improvement in relations is timely. After a gap of seven years, Prime Minister Narendra Modi will be on a visit to China from 31 August to 1 September. He will reach China after a visit to Japan. His visit to China, a major neighboring country after seven years, clearly shows how complex and full of problems the relationship between the two countries is. From a diplomatic point of view, Modi's visit is not bilateral, as he is going to attend the multilateral summit of the Shanghai Cooperation Organization (SCO) in Tianjin city of China. During this conference, he will also meet Chinese President Xi Jinping along with other heads of government and it is clear that they will also discuss mutual issues. This meeting is extremely important for India and China, as it is necessary for the two top leaders to meet to improve relations after the ongoing tensions since 2020. In the context of China and India, the signals emanating from the talks at the top political level have always been beneficial. After the armies of the two countries came face to face in Doklam in 2017, Indian Prime Minister Modi tried to prevent the disputes from turning into a conflict through informal diplomacy with Xi in Wuhan, but unfortunately China again adopted an aggressive stance after that. In the encounter between the soldiers in the Galwan Valley in 2020, both sides suffered losses. Both the countries, armed with heavy weapons, had deployed about sixty thousand soldiers on the border in a state of war preparation. China wants to dominate Asia and gain equal status with America in the world. That is why when it sees weakness or uncertainty in neighboring countries, it becomes ready to pounce on them and put pressure on them. Understanding its intention, the Modi government demonstrated military force in front of China after the military clash in the Galwan Valley and gave it a clear message that "the state of the borders will define the state of the overall relationship." Seeing India's tough stand, China had to withdraw its troops from some parts of the border adjoining eastern Ladakh, where it had tried to grab land unilaterally. Seeing India's adamant attitude, today China is trying to bring back softness in relations. From October 2024 till now, China has not only withdrawn its troops from the disputed areas, but has also accepted new arrangements to establish peace on the border. In such changed circumstances, Modi's meeting with Xi and improvement in relations is timely. Critics may say that this new round of top-level diplomacy will also ultimately fail and China will continue to pressurize India because it does not want India to come at par with it, but it is necessary to have at least a respectful working relationship with a neighbor who shares a 3,488-km border and who is dominating the very countries of Asia where India's national interests lie. As a responsible and stability-loving country, India will never want a war with China again. The solution to the 'border problem' still seems far-fetched, but there is no harm in maintaining dialogue and contact. India cannot be overly optimistic about the thaw in relations with China despite increasing contact and dialogue. During Operation Sindoor, China gave unprecedented military support to its 'evergreen friend' Pakistan against India. Xi is also insisting on extending his 'China-Pakistan Economic Corridor' to Afghanistan, which will affect India's influence there. China is being presented as an alternative to India in every country of South Asia and the Indian Ocean. There is no possibility of geopolitical competition subsiding in this matter. Modi and Xi shaking hands and discussing mutual interests does not mean that the era of 'Hindi-Chini bhai bhai' will return. India's identity is to conduct diplomacy responsibly while being cautious and cautious. At present, the softening of relations with China should be seen from this perspective. At present, India and China are taking interest in resolving their differences on the basis of sensitivity, when the strategic partnership between India and America has been affected due to President Donald Trump's trade war. China's ambassador to India has even claimed that both the countries can unite against the threats and intimidation of America, but the fact is that China cannot compensate India for any loss caused by America's tariffs. China has indicated restoration of trust by removing the export ban on fertilizers, rare minerals and tunnel boring machines for agriculture, but the reality is that China has a trade surplus of about $ 100 billion with India. In such a situation, considering China as an alternative to America or hoping for a strategic reversal in which China and India come together and challenge America is not a realistic thinking. The trade war waged by America will be resolved someday, but the solution to the imbalanced trade between China and India does not seem easy. China also wants India to break its friendship with Western countries and join its camp, but India itself is on the path of becoming a superpower. In such a situation It will not compromise on its strategic autonomy. Nor should it. Despite these contradictions, the importance of Modi's effort to normalise relations with Xi should not be underestimated. India wants a respectful relationship with China. This is possible only through a combination of power and diplomacy.Critics may say that this new round of top-level diplomacy will also ultimately fail and China will continue to pressurize India because it does not want India to come at par with it, but it is necessary to have at least a respectful working relationship with a neighbor who shares a 3,488-km border and who is dominating the very countries of Asia where India's national interests lie. As a responsible and stability-loving country, India will never want a war with China again. The solution to the 'border problem' still seems far-fetched, but there is no harm in maintaining dialogue and contact.

नगर निगम ने पूर्व विधायक को आवंटित भवन कराया खाली, 15 साल से था कब्जा, तीन करोड़ की संपत्ति

मुरादाबाद नगर निगम ने चक्कर का मैदान स्थित भवन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। भवन पूर्व विधायक और तत्कालीन मंत्री के पीए को आवंटित हुए थे। निगम के अनुसार करीब 15 वर्षों से इन पर अवैध कब्जा था। इन भवनों की बाजार कीमत करीब तीन करोड़ रुपये आंकी गई है। मुरादाबाद नगर निगम ने शुक्रवार को पूर्व विधायक समेत दो आवंटित भवन को कब्जा मुक्त करा लिया। नगर निगम की प्रवर्तन दल और संपत्ति विभाग की टीम ने चक्कर का मैदान स्थित भवन संख्या पांच और सात को खाली कराया। कार्रवाई में विभागीय अधिकारियों के अलावा स्थानीय पुलिस बल भी मौजूद रहा।वर्ष 1978 में भवन संख्या पांच तत्कालीन विधायक दिनेश चंद्र रस्तोगी को आवंटित हुआ था जबकि भवन संख्या सात मोहन लाल शर्मा को दिया गया था जो तत्कालीन मंत्री के पीए रहे थे। दिनेश चंद्र रस्तोगी के निधन के बाद भी यह भवन खाली नहीं किया गया था।निगम के अनुसार दोनों भवनों पर पिछले 15 वर्षों से अवैध कब्जा था। निगम की ओर से समय-समय पर नोटिस जारी कर इन्हें खाली कराने की चेतावनी दी गई थी लेकिन कब्जाधारियों ने संपत्ति वापस नहीं की।शुक्रवार को नगर आयुक्त के आदेश पर विभागीय अधिकारियों ने दोनों भवनों को कब्जा मुक्त कराकर अपने नियंत्रण में ले लिया। लगभग 220 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बने इन भवनों की अनुमानित बाजार कीमत करीब तीन करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के मुताबिक भवन पर वर्तमान में उमेश चंद्र रस्तोगी और मनोज शर्मा का कब्जा था। लंबे समय से इन भवनों का उपयोग निजी तौर पर किया जा रहा था जबकि यह नगर निगम की संपत्ति है। अब इन्हें निगम अपने वैध और सार्वजनिक उपयोग में लाएगा। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल का कहना है कि अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। नगर निगम की संपत्ति पर कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दस दौरान अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह, अपर नगर मजिस्ट्रेट (द्वितीय), संयुक्त नगर आयुक्त निशा मिश्रा, उप नगर आयुक्त रामपाल सिंह, प्रवर्तन प्रभारी अविनाश कुमार गौतम आदि मौजूद रहे।

हर्षित हत्याकांडः दुकान दिलाने को पांच लाख लिए, फिर हो गया विवाद, दोस्तों ने मिलकर डूडा कर्मी को मार डाला

नया मुरादाबाद में डूडा संविदाकर्मी हर्षित ठाकुर की हत्या नगर निगम की दुकान दिलाने के नाम पर लिए गए पांच लाख रुपये वापस न करने के विवाद में की गई थी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो के पैर में गोली लगी है। नया मुरादाबाद में डूडा के संविदाकर्मी हर्षित की हत्या नगर निगम की दुकान दिलाने के नाम पर ली गई पांच लाख रुपये की रकम के विवाद में की गई थी। शुक्रवार रात पुलिस ने मुठभेड़ में पांच आरोपी अभिषेक सैनी, शुभम ठाकुर, मो. वासित, अनमोल जाटव और राहुल पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है। शुभम और मो. वासित के पैर में गोली लगी है। पूछताछ में हत्यारोपियों ने कबूला है कि हर्षित ठाकुर ने नगर निगम में दुकान दिलाने के लिए अभिषेक सैनी से पांच लाख रुपये ले लिए थे लेकिन उसे दुकान नहीं मिली। हर्षित रकम वापस नहीं कर रहा था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मझोला के नया मुरादाबाद सेक्टर-10 निवासी महेंद्र सिंह का इकलौता बेटा हर्षित ठाकुर डूडा में संविदाकर्मी था। बुधवार रात वह अपने दोस्त आकाश मिश्रा को उसके घर प्रकाश नगर लाइनपार में छोड़कर घर लौट रहा था। बृहस्पतिवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे घर से करीब 100 मीटर दूर खड़ी वर्ना कार में ड्राइविंग सीट पर हर्षित की लाश मिली थी। उसे गर्दन के पास में गोली मारी गई थी। इसके बाद पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुटी थी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पता चला कि हमलावर कार से आए और ओवरटेक कर पहले लोहे की रॉड से हर्षित की कार के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद गोली मारकर हत्या कर दी। फुटेज से हमलावरों की पहचान हो गई थी। शुक्रवार रात पुलिस टीमें नया मुरादाबाद में मौजूद थीं। इसी दौरान कार सवार पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी की तो कार सवारों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने कार घेर ली। इसी बीच बदमाश कार से उतरकर भागने लगे। तब पुलिस ने शुभम ठाकुर और मो. वासित के पैर में गोली मार कर गिरफ्तार कर लिया, जबकि घेराबंदी कर अभिषेक सैनी, अनमोल जाटव, राहुल ठाकुर को दबोच लिया। पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि हर्षित ठाकुर ने अभिषेक से पांच लाख रुपये दुकान दिलाने के नाम पर लिए थे लेकिन दुकान न मिलने पर रुपये वापस नहीं कर रहा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें उसकी हत्या की गई है। एसपी सिटी ने बताया कि बुद्धि विहार निवासी शुभम ठाकुर और असालतपुरा निवासी मो. वासित को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि मझोला के गायत्री नगर निवासी अभिषेक सैनी, खुशहालपुर निवासी अनमोल जाटव, शाहजहांपुर जिले के कस्बा बंडा निवासी राहुल पांडेय को गिरफ्तार किया गया है। राहुल पांडेय शुभम ठाकुर के गोदाम में रहता है। फुटेज से मिले थे अहम सुराग पुलिस को आस-पड़ोस की फुटेज से अहम सुराग मिले थे। इसी के जरिए पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। साझे में फर्म चलाते हैं तीन आरोपी- डूडा संविदाकर्मी की हत्या करने वाले तीन आरोपी अभिषेक सैनी, मो. वासित और शुभम ठाकुर साझे में फर्म चलाते हैं, जहां कागज तैयार किया जाता है। फर्म के गोदाम में राजेश पांडेय नौकरी करता और अनमोल शुभम का दोस्त है। घटना वाली रात सभी साथ थे। इन लोगों की योजना थी कि दुकान इन्हें मिल जाएगी तो राजेश पांडेय और अनमोल से दुकान चलवाएंगे लेकिन दुकानें नहीं मिलने के कारण इनका प्लान फेल हो गया था।

महिला मिट्टी तेल लेकर पहुंची कलक्ट्रेट, एडीएम की गाड़ी पर बरसाए पत्थर, खुद पर आग लगाने की कोशिश

मुरादाबाद कलक्ट्रेट में बिहार निवासी महिला ने आत्महत्या का प्रयास किया। जिसे पुलिस ने विफल कर दिया। महिला ने जमीन कब्जे और परिजनों की हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने जांच शुरू कर उसे गांव छोड़ दिया।मुरादाबाद कलक्ट्रेट में शुक्रवार की दोपहर बिहार निवासी महिला ताज कला ने पत्थर मारकर एडीएम प्रशासन की गाडी के शीशे तोड़ दिए और खुद पर तेल डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। इस घटना से कलक्ट्रेट में खलबली मच गई। पुलिसकर्मियों ने महिला के हाथ से माचिस छीनी।महिला को डीएम और एसएसपी के कार्यालय में पेश किया गया। उसने बताया कि पिता की मौत के बाद चचेरे भाइयों ने उसकी मां और तीन भाइयों की हत्या कर जमीन पर कब्जा कर लिया है। एसएसपी ने सीओ हाईवे को पूरे मामले की जांच करने के आदेश दिए।पुलिस की जांच में सामने आया है कि मूंढापांडे के नियामतपुर इकरौटिया निवासी अली जान और मियां जान दो भाई थे। अली जान ने 25 साल पहले बिहार के गया निवासी महिला से शादी कर ली थी। महिला पहले से ही शादीशुदा थी और अपनी पांच वर्षीय बेटी ताज कला को साथ लेकर नियामतपुर इकरौटिया आई थी। करीब पांच साल तक अली जान के साथ रही। इसी बीच महिला ने तीन बेटों को जन्म दिया। महिला अपनी बेटी ताज कला और तीनों बेटों को लेकर बिहार चली गई थी। इसके दो साल बाद ही अली जान की भी मौत हो गई। ताज कला ने भी वहीं शादी कर ली लेकिन दो माह पहले महिला ताज कला नियामतपुर इकरौटिया पहुंची और उसने अधिकारियों को प्रार्थनापत्र देकर चचेरे भाइयों से जमीन दिलाने की मांग रखी। महिला ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिए। इसके बाद महिला दोबारा बिहार चली गई थी। शुक्रवार को महिला अपने दो वर्षीय बेटे को गोद में लेकर कलक्ट्रेट पहुंच गई। उसने हाथ में मिट्टी के तेल से भरी केन ले रखी थी। उसने एडीएम प्रशासन गुलाबचंद की गाड़ी के शीशे पर पत्थर मारने शुरू कर दिए। वहां मौजूद पुलिस कर्मी, होमगार्ड और अन्य कर्मचारी कुछ समझ पाते। इससे पहले ही महिला ने केन से गाड़ी पर तेल डाल दिया और इसके बाद अपने ऊपर तेल डाल दिया। महिला माचिस से आग लगाने वाली थी कि पुलिस कर्मियों से उसे पकड़ लिया और माचिस छीन ली। इसके बाद उसे एडीएम प्रशासन के कार्यालय में ले गए और महिला से पूछताछ की, उसने बताया कि चचेरे भाइयों ने 2004 में मेरे तीनों भाइयों और मां की हत्या करके जमीन पर कब्जा कर लिया है। डीएम के सामने भी महिला से ही बात दोहराई। कुछ देर बाद ही पुलिस कर्मी को एसएसपी के सामने पेश किया गया और उन्होंने महिला की बात सुनी। इसके बाद महिला को पुलिस अपनी गाड़ी में बैठाकर नियामतपुर इकरौटिया गांव ले गई और छोड़कर चली गई। महिला से 15 मिनट की गई पूछताछ डीएम अनुज सिंह ने बताया कि परेशान महिला ने एडीएम प्रशासन की सरकारी गाड़ी पर पत्थर मार दिया और मिट्टी का तेल छिड़कर आग लगाने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। घटना के पांच मिनट बाद वह डीएम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने महिला से 15 मिनट तक पूछताछ की। इसके बाद उसे एसएसपी के पास भेजा गया। पुलिस इस मामले पर आगे तहकीकात करेगी।

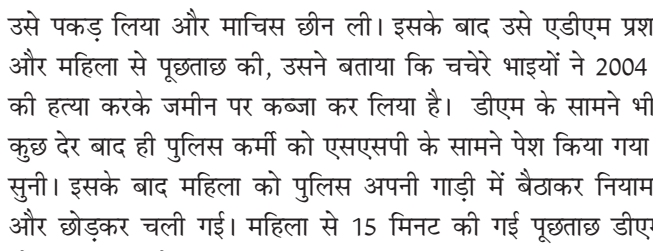

संभल बवाल जांच रिपोर्ट: 1978 के दंगे से ज्यादा प्रभावित हुआ जिला; मुलायम सिंह पर था केस वापसी की पैरवी का आरोप

1978 के दंगे में जो नौ हत्याएं, आगजनी, लूटपाट व अन्य गंभीर मामले में 16 केस दर्ज किए गए थे। उसमें आठ केस राजनीतिक दबाव के चलते वापस लिए गए थे। बाकी आठ केस का भी कोई निष्कर्ष नहीं निकला। 1978 के दंगे का असर शहर के खग्गू सराय पर सबसे ज्यादा पड़ा था। इस इलाके में रहने वाले हिंदू परिवार पलायन करने के लिए मजबूर हुए थे। हालांकि ज्यादातर परिवार शहर के उन मोहल्लों में जाकर बसे जहां हिंदू आबादी रहती है। 1978 के दंगे में जो नौ हत्याएं, आगजनी, लूटपाट व अन्य गंभीर मामले में 16 केस दर्ज किए गए थे। उसमें आठ केस राजनीतिक दबाव के चलते वापस लिए गए थे। बाकी आठ केस का भी कोई निष्कर्ष नहीं निकला। पीड़ित न्याय की आस लगाए बैठे रहे लेकिन न्याय हुआ नहीं। इस मोहल्ले का शिव मंदिर भी तब से ही बंद हो गया था। 24 नवंबर 2024 को हुए बवाल के बाद पुलिस-प्रशासन की ओर से इस मंदिर के कपाट खोले गए थे। जहां अब नियमित पूजन किया जाता है। इस मंदिर के परिक्रमा मार्ग के कब्जे को लेकर जांच अभी भी जारी है जो लंबित चल रही है। पीड़ित परिवारों की वह टीस अभी भी दिखती है। एक दिसंबर 2024 को जब न्यायिक जांच आयोग के सदस्य संभल पहुंचे तो 1978 दंगे के पीड़ित परिवारों ने अपना दर्द बयान किया था। उसमें बताया था कि किस तरह हत्याएं हुईं और न्याय भी नहीं मिला। पुलिस की जांच रिपोर्ट में यह तय ही नहीं हुआ कि हत्या किसने की। अदालत में सबूत के अभाव दोषियों की ताकत बने और वह बरी हो गए। बनवारी लाल गोयल की हत्या निर्मम की गई थी। उसका उल्लेख न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट में होने की भी चर्चा है। मुलायम सिंह यादव पर था केस वापसी की पैरवी का आरोप रिकॉर्ड के मुताबिक 16 दिसंबर 1993 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के विशेष सचिव न्याय विभाग आरडी शुक्ला द्वारा पत्र भेजकर मुरादाबाद के डीएम से केस वापसी की सिफारिश की गई थी। 23 दिसंबर 1993 को आदेश जारी किया गया था। इसके बाद ही दर्ज 16 केस में से आठ केस की वापसी हुई थी। बाकी आठ केस में सबूत नहीं मिले और वह भी छूट गए थे। मंजरशफी था इस दंगे का सूत्रधार 29 मार्च 1978 को मंजरशफी ने इस दंगे को चिंगारी दी थी। वह एक कॉलेज के विरोध में जुलूस निकाल रहा था। उसने दुकानों को बंद कराना चाहा था। वह सक्रिय राजनीति में था। इसलिए लोगों पर प्रभाव दिखाता था। जब हिंदू दुकानदारों ने दुकान बंद करने से इन्कार किया तो विवाद बढ़ा। इसके बाद ही किसी तरह की अफवाह फैली और दंगा हो गया। हालात पर उस समय काबू पाया लेकिन अगले दिन फिर आगजनी की गई। इसके बाद कर्फ्यू लगा दिया गया था। आयोग के सामने यह भी कहा गया था कि उस समय के स्थानीय पुलिस-प्रशासन की ओर से एक पक्षीय कार्रवाई की गई थी। पुलिस को दंगे से जुड़े दस्तावेज तलाशने में हो रही मुश्किल विधान परिषद के सदस्य श्रीचंद्र शर्मा ने जनवरी 2025 में सरकार से मांग की थी कि 1978 के दंगे की फाइलें दोबारा से खोली जाएं। इसके बाद ही सरकार ने दंगे से जुड़ी एफआईआर, विवेचना व केस से जुड़े अन्य दस्तावेज तलब किए हैं। संभल पुलिस-प्रशासन इन सभी दस्तावेज को तलाश करने में लगे हैं। 46 वर्ष पुराने इस मामले में कई दस्तावेज ऐसे हैं जो नहीं मिले हैं। इसके चलते ही शासन को रिपोर्ट नहीं मिली है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जल्द ही इस रिपोर्ट को तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

मुरादाबाद- जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्धारित मानक के अनुसार दवाओं की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए। ओपीडी की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने ओपीडी सेवाओं को अधिक प्रोग्रेसिव बनाने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत इस माह तक 33 प्रतिशत की प्रगति के सापेक्ष मात्र 23 प्रतिशत ही प्रगति होने पर जिलाधिकारी ने संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत बिलारी में 59 प्रतिशत तथा कुन्दरकी में 70 प्रतिशत भुगतान होने पर जिलाधिकारी ने शतप्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना में जनपद की 16.32 प्रतिशत प्रगति होने पर जिलाधिकारी ने कार्य प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। नियमित टीकाकरण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने इसमें और बेहतर प्रयास कर प्रथम स्थान पर बने रहने के निर्देश दिए। परिवार नियोजन, आरसीएच पोर्टल, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ट उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय टीवी उन्मूलन कार्यक्रम, नेशनल तम्बाकू कंट्रोल प्रोग्राम आदि के बारे में भी जिलाधिकारी ने समीक्षा की। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि स्कूलों की 100 मीटर की परिधि में कोई भी, गुटखा, तम्बाकू और अन्य मादक पदार्थों की दुकान नहीं होनी चाहिए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 कुलदीप सिंह, जिला विकास अधिकारी जी0बी0 पाठक, डिप्टी सीएमओ डा0 संजीव बेलवाल, सीएमएस, एमओआईसी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, कोरपीसीआई के प्रतिनिधिगण आदि उपस्थित रहें।

नपद मुरादाबाद में 26 अक्टूबर तक धारा - 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा जारी

आगामी पर्व ईद-ए-मिलाद/बारावफात, दशहरा, गांधी जयंती, महर्षि बाल्मीकि जयंती, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्द्धन पूजा आदि एवं जनपद मुरादाबाद में आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने तथा लोक व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिला मजिस्ट्रेट श्री अनुज सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा जारी की है। यह निषेधाज्ञा दिनांक 26 अक्टूबर 2025 तक जनपद मुरादाबाद में लागू रहेगी। कोई भी व्यक्ति इस निषेधाज्ञा की किसी एक अथवा एक से अधिक शर्तों का उल्लंघन करेगा तो वह भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 223 के अन्तर्गत दंडनीय होगा। नवचयनित मुख्य सेविकाओं की तैनाती हेतु जनपद की वरीयताएं प्रस्तुत करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार राय ने बताया कि अभ्यर्थियों को पोर्टल लिंक https://icdspreference.upsdc.gov.in पर जाना होगा, जिसे उनके द्वारा मोबाइल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से लॉगिन किया जायेगा। विभाग द्वारा विकसित यह पोर्टल दिनांक 01 सितंबर 2025 से 07 सितंबर 2025 को रात्रि 12ः00 बजे तक संचालित किया जायेगा। लॉगिन पर मुख्य सेविकाओं को पोर्टल पर विभाग द्वारा उपलब्ध रिक्तियों हेतु वरीयताएं चुनकर उसे भरना होगा। पोर्टल पर उपलब्ध जनपद की वरीयताएं भरना अनिवार्य है। वरीयताएं सफलतापूर्वक भरने के बाद संबंधित के मोबाइल नम्बर पर पुष्टिकरण हेतु एसएमएस भी प्राप्त होगा। उपलब्ध रिक्तियां हेतु वरीयता भरने के बाद उसके अन्तिम रुप से लॉक करने की विकल्प प्रदर्शित हो जाएगा। पोर्टल पर विकल्पों को लॉक करने के लिए वरीयताओं को संशोधित करने का भी विकल्प होगा। वरीयताएं लॉक होने के बाद पोर्टल में कोई और बदलाव नहीं किया जा सकेगा। वरीयताएं लॉक होने के बाद मुख्य सेविकाओं के पास पोर्टल पर दर्ज किए गये विवरण के अनुसार जनपद वरीयता फार्म की एक प्रति प्रिन्ट करने का विकल्प भी होगा। अभ्यर्थियों को जनपद का आवंटन परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर निर्धारित उनकी मेरिट के अनुसार होगा। यह प्रक्रिया अगले 07 कार्यदिवस (01 सितम्बर 2025 से 09 सितम्बर 2025 तक) के अन्दर पूर्ण करायी जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

समुदायक स्वस्थ केंद्र पर राष्ट्रीय मानसिक स्वस्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया

♦ न्यूरिया सी. एच. सी. मे मानसिक रोग के संबंध मे बताते मुख्य चिकित्साधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / बब्लू / न्यूरिया मे आज समुदायक स्वस्थ केंद्र पर राष्ट्रीय मानसिक स्वस्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया मुख्य चिकित्सा अधिकारी आलोक कुमार ने मानसिक रोग के संबंध मे बताया कि मानसिक रोग किसी को भी हो सकता हैं मानसिक रोग होने पर छुपाये नहीं संबंधित चिकित्सक से मिले मानसिक रोग को देविये प्रकोप भूत प्रेत जादू टोना या टोटका से नहीं होता हैं र्भम मे ना रहे झाड फूक तविजो के चककर मे ना रहे मानसिक रोग बिशेषज्ञ पल्लवी सक्सेना ने बतया कि समय से इलाज कराये और मानसिक रोग के लक्षणो के संबंध मे भी बतया गया नींद ना आना आत्महत्या का विचार आना उदास रहना उल्टा सीधा बोलना गाली गलौज करना घबरहट चिंता होना गुस्सा अधिक आना आदि मानसिक रोग का इलाज हैं ये कोई लाइलाज बीमारी नहीं हैं इसका समय से इलाज कराना चाहिए सी. एच. सी. प्रभारी शीशपाल सिंह ने मानसिक रोगी का सम्पूर्ण इलाज सभी सरकारी अस्पतालो मे होता हैं यदि आपके किसी संबंधी या पड़ोसी को मानसिक रोग के लक्षण दीखते हैं तब उसका इलाज करए इस का इलाज हैं और सभी आशा आंगनवाणी और ए एन ?म को भी मानसिक रोग के संबंध मे आपने आपने क्षेत्र के लोगो को समझाये और मानसिक रोग के इलाज के बारे मे बताये इस कर्यक्रम मे सभी ए. एन. म. आशा और आंगनवाड़ी और सी. एच. सी. का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा और कस्बे कि जनता भी उपस्थित रही

स्वास्थ विभाग की अवैध अस्पतालों पर कार्यवाही तीन को नोटिस जारी

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत तहसील क्षेत्र अमरिया में फर्जी अस्पतालों और नर्सिंग होम की बाढ़ सी आ गई है। वहीं हर गली और चौराहे पर झोलाछाप क्लीनिक खोलकर लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। इन अस्पतालों एवं नर्सिंग होम के बाहर लगे बोर्डों पर बड़े अक्षरों में चिकित्सकों के नाम एवं तमाम सुविधाएं अंकित है। यह अस्पताल बिना पंजीकरण, बिना डॉक्टर और बिना मूलभूत सुविधाओं के अस्पतालों में गंभीर मरीजों का इलाज का दावा करते हैं, अप्रशिक्षित लोग ऑपरेशन थियेटर संभाल रहे हैं। बिना योग्यता और पंजीकरण के चल रहे अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अनिकेत गंगवार ने तीन अस्पतालों को नोटिस जारी किए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इन सभी अस्पताल संचालकों को अपनी शैक्षिक योग्यता सम्बन्धी अभिलेख, पंजीकरण प्रमाण पत्र, बायोमेडिकल बेस्ट हेतु सक्षम संस्था के मध्य अनुबंध पत्र और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र तीन दिनों के अंदर दिखाने को कहा है। इसके बाद भी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारीडॉक्टर अनिकेत गंगवार ने बताया कि अस्पताल के संचालकों से अभिलेख जमा कराने को कहा है।अन्य अवैध अस्पतालों की जांच भी जारी रहेगी। विभाग मरीजों की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा।

सरपंच-सचिव की मिलीभगत से सरकारी धन के दुरुपयोग

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत सरकार द्वारा गांवों के विकास के लिए तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं, मगर अब भी जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिम्मेदारों द्वारा योजनाओं के लिए मिले धन का उपयोग मनमाने तौर पर किया जा रहा है। अमरिया विकास खंड की ग्राम पंचायत गूलरबोझ सरकारी धन के दुरुपयोग का जीता जागता उदाहरण है। जहाँ ग्रामीणों ने बिना एमबी (मास्टर रजिस्टर या मास्टर बुक) के पंचायत निधि के दुरुपयोग की शिकायत जिलाधिकारी से की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में विकास कार्यों मे सरकारी धन का दुरूपयोग करते हुए ग्राम प्रधान, सचिव व जिम्मेदारों ने मिलकर विकास के नाम पर कागजों में ही भुगतान कर बंदर बाट कर लिया है। विकासखंड अमरिया की ग्राम पंचायत गूलरबोझ में ?ग्रामीणों ने जिलाधिकारी पीलीभीत को दिये शिकायती पत्र में बताया की ग्राम पंचायत गूलरभोज के ग्राम प्रधान व सचिव के द्वारा वर्ष 2021 से अब तक कोई भी विकासकार्य नहीं किया गया और? पंचायत ग्राम निधि का जमकर दुरूपयोग किया गया हैं। ग्राम पंचायत में कहीं भी स्ट्रीट लाइटें नहीं लगवाई गई और हैंडपंपों का भी रिवोर नहीं हुआ इसके साथ ही रोड़ा भराव, वाल पेंटिंग एवं ग्राम पंचायत में साफ-सफाई के नाम पर सरकारी धन का जमकर दुरूपयोग किया गया हैं। जबकि ग्राम पंचायत में तीन सफाई कर्मचारी तैनात हैं। यह सभी कार्य बिना %एमबी% (मास्टर रजिस्टर या मास्टर बुक) के कराए गये हैं।वित्तीय वर्ष 2021-2022 में 15वें वित्त आयोग से बिना एमबी किये इलाईट इंटरप्राइजेज को स्ट्रीट लाइट के नाम पर 484225 रूपये एवं रिवोर के लिए भगवती इंटरप्राइजेज को 127350 रुपये, समर्थ ट्रेडर्स को 70200 रुपये, ललित हार्डवेयर को 55584 रूपये, मैसर्स तनु ट्रेडर्स को 88070 रुपये, और रोड़ा भराव के लिए सैम ब्रिक्स इंडस्ट्रीज को 140872 रुपये का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में इनवर्टर-बैट्री, प्रशासनिक व्यय, नल रिवोर, वॉल पेंटिंग, ठेली, साफ-सफाई, सोलर, दिव्यांग शौचालय का गेट, प्रकाश व्यवस्था, रोड़ा भराव, विभिन्न स्थानों पर सिल्प, पंचायत में गांद निकालने के लिए (जबकि पंचायत में सफाईकर्मी तैनात) व अन्य काम के नाम पर लाखों रुपये ठिकाने लगाएं गये। वही इसके विपरीत ग्रामवासियों को विकास के नाम पर अंधेरा, कीचड़ व सड़के नसीब हुई हैं। ग्रामीणों ने शपथपत्र के माध्यम से जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग कि है। जिससे उनका जीवन सुगम हो सके। इस दौरान डोरीलाल, बांधूराम, गंगाराम, रामपाल, टीकाराम, रामचंद्र, मोहम्मद फैसल, आकाश, कुंवरसेन, देवेश कुमार सहित अनेकों ग्रामवासी मौजूद रहे।

भगवान के नाम स्मरण करने से ही परमात्मा की प्राप्ति होती है कथा व्यास

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) प्राचीन गढी स्थित अति प्राचीन मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास आचार्य मिथलेश दास महाराज ने मद्भागवत महा पुराण की विषद व्याख्या करते हुए उसे भगवान वासु देव का साक्षात् श्रीविग्रह बताया। उन्होंने कहा, जिस प्रकार जीव के लिए भगवत शरणागति आवश्यक है उसी प्रकार भागवत की शरण में आना भी आवश्यक है। कथा व्यास ने कहा कि महाराज परीक्षित समस्त भूमंडल के एकछत्र राजा हैं। ब्राह्मण द्वारा उन्हें श्राप दिया गया था कि सात दिवस में तक्षक के दंश से उनकी मृत्यु हो जाएगी। इसके बाद सारा राजपाट अपने पुत्र जन्मेजय को सौंप कर वे गंगा तट पर आसनस्थ हो जाते हैं। वहां संतों की संगति, परमात्म चिंतन और जीव की अंतिम परिणति के समय क्या किया जाए को लेकर उनके मन में प्रश्न आते हैं, तभी भगवान शुकदेवजी वहां प्रकट होते हैं, %तत्राभवत भगवान व्यासपुत्रो%। महाराज परीक्षित ने उनसे भी यही प्रश्न दोहराया। यद्यपि सभी संतों के द्वारा कहा गया कि वेद, शास्त्र और पुराणों के अनुसार एक ही मार्ग है जो प्रह्लाद ने अपने पिता हिरण कश्यपु से कहा था, %श्रवणम् कीर्तन, विष्णु स्मरणम् पाद सेवनम् अर्चनं वंदनं दास्यं सख्यं आत्म निवेदनम्%। अंत में कथा परीक्षित मिथिला देवी ने भागवत जी की आरती उतारी और प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर हरिश्चंद्र तिवारी राहुल तिवारी गौरव सोनी सभासद माधव यादव दंगल यादव अमित सोनी अनिल सोनी सुधीर सोनी सहित तमाम लोग मौजूद रहे

जनपद न्यायाधीश के निर्देशन में जिले के समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / उरई - उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 सितम्बर 2025 को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु आज माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के निर्देशन में जिले के समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न हुयी। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पारूल पॅवार ने उपस्थित पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया कि आप अपने स्तर से सभी थानों के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को इस आशय का निर्देश निर्गत करें कि वे विभिन्न न्यायालयों से निर्गत सम्मन/नोटिसों का तामीला शतप्रतिशत कराना सुनिश्चित करें, क्योंकि यह तथ्य संज्ञान में आया है कि कतिपय थानों से सम्मन/नोटिसों का तामीला सही ढंग से नहीं कराया जाता है। इस सम्बन्ध में ढिलाई न बरती जाये।

माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त गाइड-लाइन्स के अनुपालन में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं/ विधिक जागरूकता कार्यक्रमों में प्रशासन एवं अन्य विभागों का सहयोग बनाने तथा ग्रामीण एवं शहरीय क्षेत्रों में कार्यरत पैरालीगल वालंटियर्स को उनके कार्यों में आवश्यक सहयोग देने हेतु उपस्थित क्षेत्राधिकारी पुलिस को निर्देशित किया गया। बैठक में उपस्थित जिले के क्षेत्राधिकारी पुलिस ने पूर्ण सहयोग दिये जाने का आश्वासन दिया गया। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी जालौन श्री शैलेन्द्र बाजपेयी, पुलिस क्षेत्राधिकारी कोंच श्री परमेश्वर प्रसाद, पुलिस क्षेत्राधिकारी कालपी के प्रतिनिधि इंस्पेक्टर श्री परमहंस तिवारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी उरई के प्रतिनिधि इंस्पेक्टर श्री कुमार अभिषेक उपस्थित रहे।

मुख्य आरोपियों के साथ नेटवर्क में जुड़े अन्य लोगों पर भी होगी सख्त कार्रवाई-जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि मामले की गहन जांच करायी जा रही है। मुख्य आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के साथ इन्हें संरक्षण प्रदान करने वाले लोगों के नेटवर्क भी खंगाले जा रहे है ।उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो भी व्यक्ति इस नेटवर्क में संलिप्त पाया जाएगा, उसके विरुद्ध विधि अनुसार कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।

बहराइचः नेपाल से छोड़े गए पानी से उफनाई सरयू, बह गए दर्जन भर से ज्यादा घर; कई बीघे खेती पानी में डूबी

बहराइच जिले के एक गांव के कई घर सरयू नदी के प्रवाह में बह गए। नेपाल से छोड़े गए पानी की वजह की वजह से जल का स्तर तेजी के साथ बढ़ा। नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण सरयू नदी का जलस्तर 2 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। तहसील महसी के ग्राम जानकी नगर को खंडहर बनाने के बाद अब नदी की धारा नई बस्ती की ओर मुड़ गई है। शुक्रवार की रात नदी तेज कटान करते हुए 14 घरों को बहा ले गई। ग्रामीणों में दहशत हैजलस्तर में वृद्धि शुरू होते ही नदी ने अपना रौद्र रूप धारण कर लिया। रात के समय अचानक कटान तेज़ हो गई, जिसमें आठ आवासीय और छह अनावासीय मकान नदी में समाहित हो गए। शुक्रवार रात जो ग्रामीण बेघर हुए हैं उनमें हृदय राम, सुशील, राजकरण, सुरेंद्र, कुलदीप, संदीप, भूषण, राजाराम शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि नदी अब कटान करते हुए दक्षिण और पश्चिम दिशा की ओर लगातार बढ़ रही है, साथ ही, कृषि योग्य भूमि भी नदी के अंदर समाहित होती जा रही है। नदी के मुहाने पर बसे कृष्ण कुमार, सूर्यलाल, छोटकन्ने के मकान पर लहरें थपेड़े ले रही हैं। लेकिन अभी तक बचाव के इंतजाम नहीं हुए हैं।तहसीलदार विकास कुमार ने बताया कि कटान पीड़ित परिवारों को दैवीय आपदा राहत कोष से गृह अनुदान राशि दी जाएगी। उन्होने बताया कि हल्का लेखपाल ने अब तक 44 कटान पीड़ितों की सूची भेजी है। कार्य धीमा होने के कारण राजस्व निरीक्षक को भी लगाया गया है ताकि कटान सर्वे प्रक्रिया को तेज किया जा सके। वन्यजीव का आतंकः हाका लगाकर ग्रामीणों ने किया रतजगा महसी तहसील के गांवों में वन्यजीव के हमले के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल है। शनिवार को भी हमलावर वन्यजीव का सुराग नहीं लग सका, ग्रामीण रतजगा करते हुए दहशत के साए में रात बिताने को मजबूर हैं। ग्राम बभौंरी के बदनपुरवा, सिसैया चूड़ामणि, और मोतीपुरवा गांवों में वन विभाग ने हमलावर वन्यजीव को पकड़ने के लिए सात टीमें लगाई हैं। वन्यजीव की निगरानी के लिए पांच थर्मल कैमरे और दो ड्रोन कैमरे से वन्यजीव की निगरानी शुरू करवाई है, लेकिन 24 घंटे से ज्यादा समय बीतने के बाद भी वन्यजीव का कोई सुराग नहीं मिल सका है। वन विभाग और पुलिस दोनों ही अलर्ट मोड में हैं, प्रभावित गांवों में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित ग्रामीणों ने वन विभाग के साथ मिलकर शुक्रवार रात गश्त की, ड्रोन से जंगल के संभावित ठिकानों पर वन्यजीव को तलाश किया गया, लेकिन वन्यजीव का कोई पता नहीं चला। वन्यजीव के हमले में बृहस्पतिवार को दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए थे। इसके बाद से ग्रामीण पूरी रात जागकर डर के साए में बिता रहे हैं। रेंजर मोहम्मद साकिब ने बताया कि वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही, ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है कि वे रात में बाहर न निकलें और बच्चों को अकेले बाहर न भेजें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

प्रधान पति और सफाई कर्मचारी मारपीट का मामला पकड़ रहा तूल पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं करने पर कर्मचारियों के द्वारा किया जाएगा कार्य बहिष्कार

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत सफाईकर्मी के साथ प्रधान पति और उसके साथियों के द्वारा की गयी मारपीट व जातिसूचक शब्दों से गाली-गलौज करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा हैं। उत्तर प्रदेश पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने सफाई कर्मचारी राजेंद्र पाल के साथ जातिसूचक गालियां व मारपीट की घटना में आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज ना किये जाने के संबंध में पंचायत राज विभाग के 1300 ग्रामीण सफाई कर्मचारीयों के साथ कार्य बहिष्कार का ऐलान किया है। ग्राम पंचायत निसरा में तैनात सफाई कर्मी राजेंद्र पाल के साथ हुई मारपीट व जातिसूचक गालियां देने की घटना पर उत्तर प्रदेश पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने जिला पंचायत राज अधिकारी से कार्यवाही की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि आपके द्वारा भी अपने पत्र संख्या 4250 दिनांक 27.8.2025 के द्वारा भी पुलिस अधीक्षक पीलीभीत को भी अवगत कराया गया है कि घटना में शामिल समस्त दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाए। लेकिन थाना अध्यक्ष जहानाबाद को निर्देशित करने के बावजूद भी अभी तक दोषियों के खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। जिसकी वजह से पंचायत राज विभाग में कार्यरत 1300 सफाई कर्मचारियों में बहुत अधिक रोष व्याप्त है। अगर अगले तीन दिनों में जहानाबाद पुलिस द्वारा सफाईकर्मी राजेंद्र पाल के साथ मारपीट करने वाले ग्राम प्रधान पति मोहम्मद इस्लाम उसके भतीजे तनवीर घटना में शामिल अन्य दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज नहीं की जाती है तो विभाग के 1300 सफाई कर्मचारियों को कार्य बहिष्कार कर थाना जहानाबाद पर धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन का पुलिस प्रशासन की होगी। वही आज सफाई कर्मचारी राजेंद्र पाल द्वारा आज थाना सुनगढ़ी में दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि दिनांक 27 8 2025 कि सुबह लगभग 7~30 बजे ग्राम प्रधान निसरा मिराज और रिश्तेदारों ने घर आकर थाना जहानाबाद में दिए शिकायत पत्र को वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी।

संभल की डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे..., ब्रजेश पाठक बोले- हमारी सरकार सबका साथ-सबका विकास करेगी

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि हम संभल की डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे। हमारी सरकार %सबका साथ-सबका विकास% करेगी।राजधानी लखनऊ में शनिवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि संभल की डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे। संभल में पहले 84 फीसदी लाइन लॉस होता था, अब 18 प्रतिशत है। वहां वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रॉडक्ट से बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में आतंकी को छोड़ दिया गया था। नेहरू जी की रिपोर्ट में है कि संभल में हमेशा हिंदू पीड़ित रहे हैं। हमारी सरकार %सबका साथ-सबका विकास% करेगी। आज संभल में पलायन रुका है। सरकार ने सभी को समृद्ध किया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

बर्ड फ्लू बीमारी के चलते सहायक पुलिस अधीक्षक ने मुर्गो से भरी गाड़ी पकड़ी

■ न्यूरिया मे मुर्गीफार्म मे बर्डफ़्लू का सैंपल लेते पशु विभाग के कर्मचारी

क्यूँ न लिखूँ सच / बब्लू / न्यूरिया मे आज एक मुर्गी फार्म पहुंची अपर पुलिस अधीक्षक बर्ड फ्लू बीमारी के चलते सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने मुर्गो से भरी गाड़ी पकड़ी।पकड़ी गाड़ी में 1000 मुर्गे थे जिसमें करीब 50 मुर्गे मरे पड़े थ

न्यूरिया थाने से 500 मीटर दूरी पर चल रहे मुर्गी फार्म पर आज बरेली से मुर्गे आए थे मुर्गे उतार कर गाड़ी वापस जा रही थी करीब आधी गाडी ने न्यूरिया मे असलम के पोल्ट्री फार्म उतार दिए और बाकी के पीलीभीत में कहीं उतारना था पीलीभीत सिटी में गाड़ी पहुंचते ही अचानक अपर पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल निकल पड़ी और उनकी नजर गाड़ी पर पड़ी जिसमें काफ़ी मुर्गे मरे पड़े थे अपर पुलिस अधीक्षक तुरंत एक्शन में आई और गाड़ी को रुकवा कर गाडी चेक की जिसमें करीब लगभग 50 मुर्गे मरे पड़े थे और 1000 मुर्गे लगभग गाड़ी में लोड थे पूछताछ में चालक ने बताया कि मैं बरेली से न्यूरिया असलम के पोल्ट्री फार्म पर आधी गाड़ी उतार कर आया हूँ और बाकी रास्ते में उतारना हैं बर्ड फ्लू बीमारी के चलते हुए

अपर पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल मुर्गों से भरी गाड़ी को लेकर न्यूरिया असलम के पोल्ट्री फार्म पर लेकर पहुंची और मौके पर संबंधित अधिकारियों को बुलाया और जांच के आदेश दिए डिप्टी सी वी ओं डॉ बृजेश कुमार गौतम पशुधन प्रसार अधिकारी रोहित गुप्ता पशु चिकित्सा अधिकारी उम्मेद सिंह ने जिन्दा और मरे हुए सभी मुर्गों का सैंपल लिया सैंपल को जांच के लिए भेजा गया है डिप्टी सी वी ओं ने बताया कि मुर्गा मुर्गी लाना ले जाने के लिए बर्ड फ्लू बीमारी के चलते जिला बन्दी है अब एक जिले से दूसरे जिले में मुर्गा मुर्गी आप नहीं ले जा सकते हो गाड़ी को अपने कब्जे में लेकर उचित कार्रवाई की जा रही है पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ उम्मेद सिंह ने बताया कि वर्ल्ड फ्लू की बीमारी के चलते हुए पूरी सतर्कता के साथ निगरानी की जा रही है थाना से थाना प्रभारी अंडर ट्रेनि सी. ओं. गायत्री यादव बा एस एस आई सुभाष मावी और एस आई संजीव डागर पुलिस फ़ोर्स के साथ उपस्थित रहे

काम हो जाएगा: नए अधिकारी आए हैं, मेरे खास यार हैं, 10 हजार लेकर आ जाओ, डाक कर्मी और एक पिता की ऑडियो वायरल

5.37 मिनट की ऑडियो क्लिप में पैसे मांगने वाला यह भी कह रहा है कि दामोदर बैठे रहें दाम करें सब काम। अमर उजाला इस ऑडियो क्लिप की पुष्टि नहीं करता है।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं ऑडियो क्लिप में अब एक ऐसी ऑडियो क्लिप सामने आई है जिसमें ग्रामीण डाक सेवा (जीडीएस) में चयनित पलवल के एक युवक के पिता से हाथरस के शहरी क्षेत्र में ज्वाइनिंग कराने के लिए 10 हजार रुपये लेकर आने की मांग की गई है। युवक का पिता चाहता है कि उसके बेटे की ज्वाइनिंग शहरी इलाके में हो। उसके रहने और खाने में परेशानी न हो, इसके लिए वह पैसे देने को तैयार है। 5.37 मिनट की ऑडियो क्लिप में पैसे मांगने वाला यह भी कह रहा है कि दामोदर बैठे रहें दाम करें सब काम। अमर उजाला इस ऑडियो क्लिप की पुष्टि नहीं करता है। इस प्रकरण की शिकायत विभाग के अलीगढ़ मंडल मुख्यालय पहुंच चुकी है जिसके बाद जांच चल रही है।इस मामले की शिकायत मिली है। उच्चाधिकारियों तक भी शिकायतकर्ता ने मेल से शिकायत की है। ऑडियो क्लिप को मेल में अटैच करके भेजा है। विभागीय जांच की अपनी प्रक्रिया है। वही जांच प्रक्रिया चल रही है। यह भी देखा जा रहा है कि जो बातें सामने आ रही हैं वह धरातल पर कितना वजन रखती हैं। - अवधेश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ डाक अधीक्षक, अलीगढ़ डाक मंडलवायरल हो रही ऑडियो क्लिप के कुछ अंश युवक - गुरुजी आप उसकी कह रहे थे न मेडिकल की, आज बन जाएगा, आप काम तो करवा दोगे डाक कर्मी - अरे करवा देंगे यार कितनी बार कहेगा युवक- लो मेरे पापा से बात कर लो पिता- देखो जी मेडिकल तो हो गया, एक बार रिपोर्टिंग अलीगढ़ पता करके देख लो डाक कर्मी- देखो इसका मेडिकल करवा लो। पहले तो यहां से ले देकर हो जाता था, अब बात ऊपर तक पहुंच गई है। (एक अधिकारी का पदनाम लेकर) आ गए हैं नए। मेरे खास यार हैं। काम हो जाएगा तुम्हारा, मेडिकल बनवा कर चले आओ। दस हजार जेब में डाल लाओ। हाथ के हाथ तुम्हारा कांड हो जाएगा। पिता - क्या नाम है जो नया अफसर आया है।कहां का रहने वाला है। डाक कर्मी - (अफसर का नाम बताते हुए).. अलीगढ़ का। पिता - पैसा कितने लग जाएंगे कम से कम बताओ, हम भी गरीब हैं। डाक कर्मी - कम से कम 10, ये मैंने तुम्हें ऐसे बता दिए हैं कि बड़ा अधिकारी कभी हजार दो हजार तो लेता नहीं। पिता - किसी बड़े शहर में ड्यूटी दे दो 5 हजार रुपये और फालतू ले लो। मथुरा में देदे, आगरा में देदे डाककर्मी - न न अपने रीजन से बाहर नहीं जा सकते। हाथरस में दे सकते हैं। इस काम को करवा सकते हैं। पहले ज्वाइन हो जाए फिर यह काम तो हाथ में है। (ऑडियो क्लिप में युवक का पिता कह रहा है कि गांव में तैनाती पर उसके बेटे को खाने की समस्या होगी क्योंकि उसे खाना बनाना नहीं आता। शहर में पोस्टिंग होगी तो होटल की सुविधा मिल जाएगी। इसी तरह की तुलनात्मक बातें हो रही हैं। डाक कर्मी पिता को भरोसा दे रहा है कि उसके होते हुए सब हो जाएगा)

चोरी की मोटर सायकल सहित 2 आरोपियों को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर पैनी नजर रखने एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। दिनांक 13.08.2025 को ग्राम मोहली भैयाथान निवासी दिनेश देवांगन ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 09.08.2025 को सूरजपुर स्थित पेट्रोल पंप में अपनी बजाज अपाचे मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 सीजेड 9444 को खड़ा कर अपने काम से गया था वापस आया तो देखा कि मोटर सायकल वहां नहीं है, कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 303(2), 3(5) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज को खंगाला जिसमें मोटर सायकल को चोरी कर ले जाते अज्ञात व्यक्ति दिखा जिसकी पतासाजी करते हुए दबिश देकर आरोपी मनु सिंह पिता मनकेश्वर उम्र 22 वर्ष एवं चेतन सिंह पिता नंदलाल उम्र 21 वर्ष दोनों निवासी ग्राम मलगा थाना भटगांव को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपियों ने मोटर सायकल चोरी करना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर चोरी की अपाचे मोटर सायकल कीमत 20 हजार रूपये को बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एएसआई देवनाथ चौधरी, आरक्षक प्रदीप सोनवानी, जितेन्द्र पटेल व देवनीश सक्रिय रहे।

साइबर अपराध से सुरक्षित रहना है तो हर डिजिटल व्यवहार में अपनानी होगी समझदारी व सतर्कता

क्यूँ न लिखूँ सच /सूरजपुर कलेक्टर, डीआईजी/एसएसपी व एसईसीएल जीएम ने मैराथन दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना। साइबर सुरक्षा व नशे से बचाव के लिए एसईसीएल की टीम ने कव्वाली के माध्यम से स्कूली बच्चों व लोगों को सशक्त संदेश देते हुए सभी का मन मोह लिया, मैराथन दौड़ के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत।सूरजपुर। साइबर अपराध से बचने का मजबूत तरीका है खुद सावधान रहना और किसी भी लालच में न आना। यदि हम खुद सर्तक नहीं रहे और किसी लालच में आ गए तो साइबर अपराध की चपेट में आ जायेंगे। साइबर अपराध से सुरक्षित रहना है तो हर डिजिटल व्यवहार में समझदारी और सतर्कता अपनानी होगी। अपने लालच व भय पर काबू करते हुए पूरी समझदारी के साथ ऑनलाइन काम करेंगे तो आप अपने साथ-साथ दूसरों को भी साइबर अपराधों से बचा सकेंगे। अपनी ऑनलाइन गतिविधियों को उसी तरह सुरक्षित रखें जैसे आप स्वयं को सुरक्षित रखते हैं, साइबर फ्राड होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराए। उक्त बाते डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना भटगांव क्षेत्र अन्तर्गत जरही स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार, 30 अगस्त 2025 को आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों, नागरिकों का 500 मीटर की मैराथन दौड़ को सूरजपुर कलेक्टर, डीआईजी/एसएसपी एवं एसईसीएल जीएम के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और खुद भी दौड़ में भाग लिया। एसईसीएल के नमो नारायण सिंह व उनकी टीम के द्वारा कव्वाली के माध्यम से साइबर अपराध से बचाव एवं नशे की लत छोड़ने का शानदार संदेश देकर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में कलेक्टर सूरजपुर श्री एस.जयवर्धन ने स्कूली बच्चों एवं नागरिकों को कहा कि सोशल मीडिया पर अजनबियों के मित्र अनुरोध स्वीकार करने में सावधानी बरतें, जानें कि किसी ऐसे व्यक्ति को कैसे ब्लॉक करें जो आपको असहज कर रहा हो, किसी व्यक्ति को अपनी मित्र सूची से हटाने का तरीका जानें, उपयोग के बाद सोशल मीडिया वेबसाइटों से लॉगआउट करना याद रखें, अपने फ़ोन को पासवर्ड से सुरक्षित करें, यदि आप देखते हैं कि आपका फर्जी खाता बनाया गया है, तो आप तुरंत सोशल मीडिया सेवा प्रदाता को सूचित कर सकते हैं ताकि खाते को ब्लॉक किया जा सके। नश के उपयोग से होने वाली दिक्कतों के बारे में बताया और नशा न करने और न करने देने के लिए प्रेरित किया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने राष्ट्रीय खेल दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को कहा कि पुलिस के द्वारा साइबर कॉप एवं नशे के विरूद्ध अभियान नवजीवन के तहत आपको साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना, सुरक्षित रखने और ब्राउजिंग के लिए प्रेरित करना, नशे से दूरी बनाने और बचाव की दिशा में कदम बढ़ाते हुए जानकारी देना। उन्होंने कहा कि नशा का काम केवल व्यक्ति की जीवन को संकट में डालना है, नशा से किसी का भला नहीं हुआ। नशे से दूरी बनाने का एक महत्वपूर्ण जरिया खेल है, जीवन की सबसे बड़ी पूंजी स्वास्थ्य है जब आप फिट रहेंगे तो अपने जीवन के लक्ष्यों को पा सकेंगे। भटगांव एसईसीएल जीएम श्री दिलीप माधोराव बोबडे ने साइबर जागरूकता एवं नशे से दूरी क्यों है जरूरी की जानकारी देते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा हम सभी से जुड़ी एक महत्वपूर्ण विषय है, जरा सी लापरवाही लोगों को भारी पड़ जाती है। यदि आपने अपने सोशल मीडिया खातों पर सही सेटिंग्स का चयन नहीं किया है, तो पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो को आपकी जानकारी के बिना अन्य लोगों द्वारा देखा, डाउनलोड और उपयोग किया जा सकता है, अपने उपकरणों के सॉफ्टवेयर को अपडेट रखे, निजी जानकारी ऑनलाईन साझा न करें। जिला प्रशासन व पुलिस के साइबर व नशे से बचाव के अभियान में एसईसीएल प्रबंधन साथ है। खेल गतिविधियों के लिए बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों व नागरिकों की मौजूदगी के लिए आभार जताया। इस अवसर पर एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, एपीएम राजकुमार शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष पूरन राजवाड़े, एसईसीएल भटगांव के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली बच्चों व नागरिकगण मौजूद रहे। मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के विजेतागण। मैराथन दौड़ में पुरूष वर्ग से प्रथम अशलेस राजवाड़े, द्वितीय नीरज राजवाड़े, तृतीय हिम्मत राजवाड़े, महिला वर्ग में प्रथम फलेश्वरी, द्वितीय नूतन, तृतीय अनिता राजवाड़े रही। दोनों वर्गा में प्रथम प्रतिभागी को 5100 रूपये, द्वितीय को 3100, तृतीय को 1100 रूपये नगद, मैडल, मोमेन्टो, ट्राफी एवं प्रमाण पत्र प्रदाय की गई। इसी प्रकार छात्र वर्ग में प्रथम रोशन राजवाड़े, द्वितीय टीयस राजवाड़े, तृतीय सूर्यदीप को मैडल, मोमेन्टो, ट्राफी एवं प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

04 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

भैंस चोरी करने का प्रयास करते हुए 03 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम एवं अंकुश लगाने व चोरो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी महोदय नानपारा श्री प्रद्युम्न सिंह के कुशल निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक श्री रमेश सिंह रावत के नेतृत्व में चौकी इंचार्ज बाबागंज उ0नि0 दीपक सिंह व उ0नि0 जितेन्द्र यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम विशुनापुर बाबागंज में भैंस चोरी करने का प्रयास करते हुए 03 नफर अभियुक्त क्रमशः 01. शाबिर अली पुत्र अफजल निवसी गडरहवा थाना रूपइडीहा जनपद बहराइच उम्र करीब 24 वर्ष 02. अखिलेश कुमार मिश्रा पुत्र रमेश कुमार निवासी शंकरपुर थाना रूपइडीहा जनपद बहराइच उम्र करीब 25 वर्ष 03. मुनीजर पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी विशुनापुर थाना रूपइडीहा जनपद बहराइच उम्र करीब 45 वर्ष को आज दिनांक 30.08.2025 को समय रात्रि 12 बजे गिरफ्तार किया गया । इस संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 255/25 धारा 331(4), 305(क), 62 क्चहृस् पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण को पेशी हेतु सदर न्यायालय बहराइच रवाना किया गया ।

बरामदगी 01 अदद मोटर साइकिल Hero CD Delu&e व गिरफ्तारी 01 अभियुक्त सम्बन्धित मु0अ0सं0 311/2025 धारा 317(2) बीएनएस

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा पूर्व से वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये दिशा निर्देश के अनुपालन मे अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी महोदय महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष श्री राजकुमार पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 राणाराज सिंह मय हमराह का0 सोनू यादव, का0 रोहित कुमार यादव, का0 अमरजीत के द्वारा दिनांक 29.08.2025 को मुखबिर खास की सूचना पर गम्भीरवा बाजार से तुलसीपुर चौराहे के पास से अभियुक्त इरफान पुत्र काशिम उम्र करीब 40 वर्ष निवासी ग्राम सिसैय्या चक थाना रामगाँव जनपद बहराइच को एक अदद मोटर साइकिल ॥द्गह्ण् ष्ठष्ठ ष्ठद्गद्यह्व×द्ग रंग लाल व नम्बर क्क॥1रू2509 को समय करीब 20.17 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी के समय मा0 सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों निर्देशों का अक्षरशः पालन किया गया। अभियुक्त उपरोक्त का चालान कर माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानंद कुशवाहा द्वारा थाना रिसिया के विवेचकों का अर्दली रूम कर विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेन्द्र कुमार पांडेय / अपर पुलिस अधीक्षक श्री रामानन्द कुशवाहा द्वारा थाना रिसिया के विवेचकों का अर्दली रूम कर विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई तथा लंबित

विवेचनाओं के त्वरित/गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए साथ ही शेष अभियोगो का शीघ्र अनावरण कर बरामदगी/गिरफतारी करने के साथ, चार पहिया वाहन/दो पहिया वाहन, बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना नंबर प्लेट, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट व प्रेसर हॉर्न आदि नियमविरुद्ध चल रहे वाहनों का सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत चालान करने हेतु निर्देशित किया गया तथा ई-रिक्शा सत्यापन, किरायेदारों के सत्यापन के सम्बन्ध में विशेष निर्देश दिये गए। आगामी त्योहार गणेश पूजा, गणेश प्रतिमा विसर्जन और बारावफात पर जनपद में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत गणेश प्रतिमा स्थापित करने वाले व्यवस्थापक, समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वालेंटियर व डीजे संचालकों के साथ वार्ता कर शांति पूर्ण तरीके से त्योहार को संपन्न कराने हेतु अवश्य दिशा निर्देश दिये गये । किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए रोड से उचित दूरी बना के पंडाल को स्थापित किये जाने, आग लगने के स्थिति से बचने के लिए फायर एक्सटिंग्विशर का उपयोग, मूर्ति सुरक्षा और शांति व्यवस्था पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी लगाने हेतु बताया गया। डीजे संचालकों से वार्ता कर शासन द्वारा मानक के अनुरूप ही डीजे बजाने व ध्वनि तीव्रता नियमानुसार रखने तथा किसी भी व्यक्ति, समुदाय के सम्मान को ठेस पहुंचाने सम्बन्धित गाने न बजाने हेतु बताया गया । विसर्जन मार्ग का पहले से ही निरीक्षण कर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित से वार्ता कर अतिशीघ्र समाधान कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया । विवादों का चिन्हीकरण कर समाधान दिवस पर उनका निस्तारण तथा एक पक्षीय पाबंद कराने के लिए तथा बैंको की नियमित रूप से चेकिंग करते हुए अपेक्षित कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। ङ्कत्रस्क्र से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को जांचकर्ता द्वारा मौके पर जा कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। महिला हेल्प डेस्क पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों का शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया ।

गढ़वतिया देवी धाम - आस्था का केंद्र, पर सुविधाओं से वंचित्ञ्संरक्षण के अभाव में टूट रहीं प्राचीन मूर्तियां

क्यूँ न लिखूँ सच /पप्पू जायसवाल /चांदनी बिहारपुर जिले का ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल मां गढ़वतिया देवी धाम आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां पहाड़ की चट्टानों पर उकेरी गई भगवान गणेश जी की प्राचीन प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी हुई है। प्रत्येक अमावस्या, पूर्णिमा, त्यौहार एवं विशेष अवसरों पर यहां दूर-दराज़ से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भक्तों की उमड़ी भीड़ इस स्थल की लोकप्रियता और आस्था को स्पष्ट करती है। लेकिन विडंबना यह है कि इतिहास और आस्था से जुड़ा यह स्थल आज भी मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है। श्रद्धालुओं को दर्शन करने के लिए कच्चे रास्ते और पथरीली चढ़ाई का सामना करना पड़ता है। धाम में सड़क, पानी, बिजली, शौचालय और सुरक्षित सीढ़ियों जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

गर्मी और बरसात के मौसम में यह कठिनाई और भी ज्यादा बढ़ जाती है। यहीं नहीं, धाम परिसर की प्राचीन मूर्तियां भी संरक्षण के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही हैं। कई मूर्तियां टूट चुकी हैं, तो कई पर समय और मौसम की मार साफ देखी जा सकती है। स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि जल्द ही उचित कदम नहीं उठाए गए तो यह धरोहर इतिहास बनकर रह जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि गढ़वतिया धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं। यहां प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्त्व और ऐतिहासिक विरासत, तीनों का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यदि सड़क, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए तो यह स्थल धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि गढ़वतिया धाम को संरक्षित करने के लिए विशेष योजना बनाई जाए। मूर्तियों का संरक्षण, परिसर का सौंदर्यीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार कर इस धाम को श्रद्धालुओं और पर्यटकों दोनों के लिए सुविधाजनक बनाया जा सकता है। आस्था और धरोहर का यह संगम यदि समय रहते सुरक्षित कर लिया गया तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गर्व का धरोहर बन सकता है।

शिवपुरी में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 20 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच /शिवपुरी, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने शनिवार को शिवपुरी शहर के विभिन्न संस्थानों में जांच अभियान चलाया। इस दौरान गोयल डेयरी एण्ड स्वीट्स भंडार, जैन मिष्ठान भण्डार, अग्रवाल मिष्ठान भण्डार, अग्रवाल नाश्ता भण्डार और मनोज नाश्ता कॉर्नर से कुल 20 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। जांच के दौरान गोयल डेयरी एण्ड स्वीट्स भंडार से 07, अग्रवाल नाश्ता भण्डार से 02, अग्रवाल मिष्ठान भण्डार से 03, मनोज नाश्ता कार्नर से 04 और जैन मिष्ठान भण्डार से 04 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इन सिलेंडरों को संबंधित गैस एजेंसियों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। इस मामले में जिला आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुर्रे ने प्रकरण दर्ज कर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की सिफारिश कलेक्टर शिवपुरी को की है। जांच दल में सहायक आपूर्ति अधिकारी जसराम जाटव और नापतोल निरीक्षक आर.के. चतुर्वेदी भी शामिल थे।

जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिला कारागार का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेन्द्र कुमार पांडेय / जिलाधिकारी महोदय बहराइच श्री अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कारागार में कैदियों हेतु सुविधाओं व व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा सम्पूर्ण कारागार परिसर का भ्रमण कर पुरुष बैरक, महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ास्थल और अस्पताल वार्ड का जायजा लिया गया तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और कारागार की साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया गया। इस दौरान महोदय द्वारा जेल अधीक्षक को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें, शातिर बंदियों पर विशेष नजर बनाये रखें साथ ही समय-समय पर बंदियों की गतिविधियों की जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने और जेल मैनुअल के अनुसार सभी व्यवस्थाएं बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया।

खेलों इंडिया ,बनो इंडिया ,हर मैदान में जीतो इंडिया-सदर विधायक प्रसन्न चौधरी

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता / शाली श्री अश्वनी कुमार त्यागी उप क्रीडाधिकारी शामली ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ एवं जिला खेल कार्यालय शामली द्वारा आयोजित जिला स्तरीय अण्डर 14 बालक हॉकी प्रतियोगिता (वर्ष 2025-26) का आयोजन सेंट आर.सी कान्वेंट स्कूल शामली में किया गया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, अध्यक्ष नगर पालिका शामली अरविन्द संगल, एवं ओलंपिक संघ शामली के अध्यक्ष हरबीर मलिक जी द्वारा सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए हॉकी प्रतियोगिता में आए विभिन्न हॉकी के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश स्तर पर मा0 मुख्यमंत्री जी के खेल प्रतियोगिता शुभारंभ का लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से उनके संबोधन को देखा और सुना गया।आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने अपने संबोधन में मेजर ध्यानचन्द जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी खिलाड़ियों को हॉकी के महान जादूगर ध्यानचंद जी से प्रेरणा लेते हुए उनकी तरह महान, अनुशासित,व्यवहार कुशल खिलाड़ी बनने की मेहनत करनी चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर मा0 विधायक सदर प्रसन्न चौधरी जी ने मेजर ध्यान चन्द जी के खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुये खिलाडियों को उनके जैसे श्रेष्ठ खिलाडी बनने के लिये प्रोत्साहित किया और कहा खेलों इंडिया,बनो इंडिया,हर मैदान में जीतो इंडिया।कार्यक्रम का संचालन अश्वनी कुमार त्यागी, उप क्रीड़ाधिकारी शामली द्वारा किया व सभी अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया गया।उन्होंने बताया कि हॉकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सैन्ट आर.सी.पब्लिक स्कूल की टीम द्वितीय जवाहर नवोद?य विद्यालय शामली व तृतीय राष्ट्रीय शिक्षा सदन इन्टर कॉलेज झिंझाना ने प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाडियों को एमएलसी मोहित बेनीवाल जी द्वारा पुरस्कृत किया,व राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाऐ देते हुये खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया गया। इस अवसर उप क्रीड़ाधिकारी द्वारा मा0 अतिथियों को अवगत कराया गया कि जल्द ही जनपद शामली में यहां के खिलाड़ियों के लिए सभी सुविधाओं से लेस अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनेगा।आयोजित कार्यक्रम में श्रीमति संजू रानी, श्री प्रशान्त मलिक, भूपेन्द्र देव, आशुतोष कुमार, उसमान अली, दीपा, किरणपाल, विक्रान्त राठी, राज त्यागी, प्रशान्त, पूजा आदि का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

संसद एवं विधान मंडल के माननीय सदस्यों एवं प्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों पर त्वरित कार्यवाही हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता / शाली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में मा0 सांसद एवं विधान मण्डल के मा0 सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों पर त्वरित कार्यवाही हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा पूर्व में जो समस्याएं या शासन को पत्र प्रेषित किए गए उनके संबंध में त्वरित कार्यवाही की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा पूर्व में प्रेषित समस्याओं पर जिला प्रशासन द्वारा कृत कार्यवाही के प्रति संतोष व्यक्त किया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित किए गए प्रार्थना पत्रों पर तत्काल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा निस्तारण उपरांत उसकी सूचना भी संबंधित जनप्रतिनिधि को उपलब्ध कराई जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि विधानसभा वार प्राप्त प्रकरणों की सूची बनाते हुए निस्तारित शिकायतों की फोटो सहित रिपोर्ट उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। बैठक में मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा आर्थिक सहायता वाले प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही हेतु कहा गया।बैठक में एमएलसी मोहित बेनीवाल द्वारा विद्युत विभाग की शिकायत पर डीएम ने जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभाग की बैठक के निर्देश दिए। एमएलसी मोहित बेनीवाल द्वारा नशे के पदार्थ के सेवन की समस्या विशेष रूप से झिंझाना को बताते हुए कार्यवाही हेतु कहा गया। थानाभवन विधायक अशरफ अली द्वारा भी नशे की सप्लाई पर कार्रवाई की बात रखी। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने नशे के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के बारे में भी बताया। बैठक में सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ फोटो वायरल पर भी कार्रवाई हो।आयोजित बैठक में एमएलसी विरेन्द्र सिंह, एमएलसी मोहित बेनीवाल,एमएलसी किरण पाल कश्यप,सदर विधायक प्रसन्न चौधरी थानाभवन विधायक अशरफ अली, पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम,अपर जिलाधिकारी न्यायिक परमानन्द झा,एसडीएम न्यायिक हामिद हुसैन,सभी एसडीएम,सहित आदि मोजूद रहें।

डा संजीव निरंजन जिला संगठन मंत्री बने, पार्टी में खुशी की लहर दौड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (ए आई एम आई एम) युवा के जिलाध्यक्ष चिराग हुसैन ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये नगर के जाने जाने युवा चिकित्सक और समाजसेवी डाक्टर संजीव निरंजन को जिला संगठन मंत्री पद पर मनोनीत किया है इस मनोनयन के बाद पार्टी में खुशी की लहर दौड़ गई है पार्टी से जुड़े नेता ओं और कार्यकर्ता ओं ने उन्हें फूल माला पहनाकर उनका इस्तकबाल किया और उन्हें बधाई दी इस अवसर पर मनोनीत जिला संगठन मंत्री डाक्टर संजीव निरंजन ने कहा कि संगठन का हित मेरे लिये सर्वोपरि है और जो संगठन आदेश करेगा उसका वह पूर्ण रूप से पालन करेंगे संगठन में वह एक कार्यकर्ता है न कि कोई नेता है उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने और लोगो को पार्टी में जोड़ने के लिये वह तेजी से कार्य करेंगे

नाबालिग से दुष्कर्म के अभियुक्त को 10 वर्ष का कारावास व 25,000/- के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी / ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान । माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी श्री दीपकान्त मणि, अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) बहराइच द्वारा घटना कारित करने वाले अभियुक्त को दण्डित किया गया । घटना का संक्षिप्त विवरण- वादिनी मुकदमा द्वारा थाना पयागपुर को सूचना दी गयी कि वादिनी की लड़की मेरे गाँव में ही घर बना कर रहती है जिसकी लड़की (वादिनी की नातिन - पीड़िता) दिनांक 05.10.2021 को कॉलेज पढ़ने गयी थी परन्तु वापस नहीं आई । काफी तलाश के बाद भी नहीं मिली, वादिनी की नातिन को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया । जिसके सम्बन्ध में वादिनी द्वारा थाना पयागपुर में दिनांक-06.10.2021 को दी गयी तहरीरी सूचना के आधार पर मु0अ0सं0 382/2021 धारा 363 भा0द0वि0 बनाम अज्ञात के पंजीकृत किया गया । तत्कालीन विवेचनाधिकारी क्षेत्राधिकारी आर.के. सिसोदिया द्वारा साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त प्रकाश में आये अभियुक्त गोविन्द प्रसाद कश्यप पुत्र स्व0 राम मिलन कश्यप निवासी ककन्धू थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती, वर्तमान पता सेवढ़ा थाना पयागपुर जनपद बहराइच के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 363, 376 भा.द.वि., 3/4 पॉक्सो एक्ट व 3(2)(1)ड्डु स्ष्ट/स्ञ्ज एक्ट आरोप-पत्र दिनांक 06.01.2022 प्रेषित किया गया तथा माननीय न्यायालय द्वारा आरोपों को दिनांक 29.03.2022 को विरचित किया गया। दोषसिद्धि का विवरण - श्रीमान् पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम एवं पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन%% के अन्तर्गत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम मे उक्त अभियोग मे माननीय न्यायालय/पीठासीन अधिकारी श्री दीप कान्त मणि, अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) बहराइच द्वारा प्रभारी थाना पयागपुर, मॉनीटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, जिला शासकीय अधिवक्ता श्री सन्त प्रताप सिंह तथा कोर्ट मोहर्रिर का0 बृजेश कुमार साहनी व थाना पैरोकार का0 जितेन्द्र यादव की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दिनांक- 30.08.2025 को दोषी अभियुक्त गोविन्द प्रसाद कश्यप उपरोक्त को 10 वर्ष का कारावास व 25,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया । दोषसिद्ध अभियुक्त का विवरण - 1. गोविन्द प्रसाद कश्यप पुत्र स्व0 राम मिलन कश्यप निवासी ककन्धू थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती, वर्तमान पता सेवढ़ा थाना पयागपुर जनपद बहराइच

Why make paneer ki sabzi in the same way every time, if you are fond of eating then try this spicy recipe

If you are fond of paneer and want to try something new and tasty then spicy coriander paneer curry is the perfect recipe for you. The excellent combination of fresh coriander, curd and spices in this dish makes it special. Let's know this special recipe to make it. Paneer is considered to be an excellent source of protein. Paneer is considered to be an excellent source of protein. If you are bored of making its vegetable in the same way. This time you can try paneer curry in a new way. If you are a paneer lover and want to give some new twist to your regular paneer curry, then spicy coriander paneer curry is a great option for you. This curry is full of flavors of fresh coriander, curd and spices, which gives it a unique and wonderful taste. You can enjoy it with roti, paratha or cumin rice. First, let us know what is special about this recipe. Fresh coriander leaves are used in it, which gives freshness and unique flavour to the curry. The use of curd makes its gravy creamy and slightly tangy. This curry is not very oily and spicy, which makes it healthy and easily digestible. Ingredients 200 gms paneer (cut into cubes) 1 cup fresh coriander leaves (finely chopped) 1/2 cup curd (fresh and full cream) 2 tomatoes (grated or pureed) 1 large onion (finely chopped) 1 green chilli (chopped) 1 tsp ginger-garlic paste 2 tbsp oil or ghee Spices 1/2 tsp turmeric 1 tsp coriander powder 1 tsp red chilli powder 1/2 tsp garam masala 1/2 tsp kasuri methi 1/2 tsp cumin seeds Salt to taste Method Firstly, prepare the coriander paste by adding coriander leaves, green chillies and curd in a mixer and make a smooth paste. This will give a fresh and tangy taste to the curry. Now heat oil in a pan, add cumin seeds to it. When the cumin seeds start crackling, add finely chopped onions and fry them till golden. Now add ginger-garlic paste and fry it well. Now add tomato puree and cook it till the oil starts separating from the sides. Then add turmeric, coriander powder, red chili powder and salt. Cook it on low flame for 2-3 minutes so that the spices mix well. Now add the prepared coriander-curd paste and let it cook on low flame for 4-5 minutes. This will make the gravy thick and flavorful. Now add paneer pieces and let it cook on low flame for 5 minutes so that it absorbs the flavor of the spices well. Finally add garam masala and kasuri methi, mix gently and turn off the gas. Serve this wonderful coriander paneer curry with hot roti, paratha or jeera rice. Adding some fresh chopped coriander on top will enhance both its look and taste.

To overcome the deficiency of biotin, include these 7 food items in your diet, hair will become strong from the roots

Biotin deficiency is seen as a symptom of hair fall. This vitamin is considered important in maintaining the health of hair as well as digestion and nerves. To overcome the deficiency of such an important vitamin, it is beneficial to include things like egg and avocado in the diet. Proper diet is also very important to make hair healthy. Biotin is considered very important for healthy hair. You can include some biotin rich foods in the diet. Biotin or vitamin-B is known to improve the health of hair and nails. This vitamin is not stored in the body, so it needs to be taken regularly. You can fulfil the deficiency of biotin by including these food items in your diet. These are the visible symptoms of biotin deficiency: Thinning of hair Hair fall Breakage of nails Peeling rashes around eyes, nose and mouth Skin infection Extreme fatigue Depression Dementia Biotin is found in these Egg yolk: Eggs are rich in vitamin B, protein, iron and phosphorus. Especially its yolk contains a good amount of biotin. A boiled egg contains about 10 milligrams of biotin which is equal to 33% of your daily requirement. Always eat eggs fully cooked, this will help in better absorption of biotin. Legumes: Peas, beans and lentils are a storehouse of protein, fiber and micronutrients. Peanuts and soybeans are rich in biotin. Some research has revealed that those whose diet includes more legumes are able to get the right amount of biotin. Nuts and seeds: These are considered very good sources of fiber, unsaturated fat and protein. Most nuts and seeds provide biotin, but there is a difference in its quantity. For example, 2.6 mg of biotin is found in sunflower seeds, while 1.5 mg is found in almonds. Sweet potato: It is considered rich in vitamins, minerals, fiber and antioxidants. It is also a good source of biotin. You can eat it by baking, boiling or eating it as you like. Mushroom: Mushroom is considered very nutritious for health, as well as an excellent source of biotin. Many researches show that due to the high amount of biotin, mushrooms remain safe from insects and other creatures in the forests. Broccoli: This vegetable is rich in fiber, calcium and vitamins A, C. It is also a good source of biotin. You get 1% of your daily requirement of biotin from just half a cup of broccoli. Avocado: Considered a good source of folate and unsaturated fat, avocado is also rich in biotin. You can get up to 6% of your biotin needs from a medium-sized avocado.

Plant these vine plants in your balcony, the beauty of the house will be enhanced

Vine plants are an amazing option to fill the balcony with natural beauty, which provide fresh air and greenery. In such a situation, money plant grows fast and is easy to care for, while bougainvillea makes the balcony attractive with its colorful flowers. The fragrant vines of Madhumalati and Jasmine make the atmosphere pleasant. Many people like to make their balcony beautiful. You can increase its beauty by planting some vine plants. These plants grow easily and do not require much care. In today's time, greenery is getting lost due to urbanization. However, to maintain a touch of nature in life, it can be made easy by planting these vine plants in your balcony. These vine plants not only enhance the beauty of the house, but also provide fresh air, natural shade and peace. They give an attractive look by climbing on walls, railings and trellises. So let's know about some of the best vine plants, which can make your balcony a beautiful green corner. Money Plant Money Plant is one of the most popular indoor and outdoor vines. It grows rapidly even with less care and is considered to give positive energy. By planting it in a pot or hanging basket, the balcony can be filled with greenery. Bougainvillea If you want to bring a lot of colors to your balcony, then Bougainvillea is the best option. Its pink, purple, red and white flowers give a magical look to the balcony in summer. It can also thrive in less water and likes sunlight. Madhumalati - This vine is known for its captivating fragrance and color-changing flowers. Madhumalati, adorned with red, pink and white flowers, makes the balcony beautiful in its natural form and also gives coolness in summer. Jasmine - Your balcony will be fragrant every evening with the jasmine vine. Its small white flowers smell at night, creating an atmosphere full of calm and freshness. English Ivy- If you want a classic green look in your balcony, then English Ivy is the best option. It spreads rapidly on the walls and railings, giving a green cover to the balcony. It can grow easily even in low light. Aparajita- This vine with beautiful blue and white flowers looks attractive and is also considered useful in Ayurveda. By climbing it on a grill or trellis, the balcony can be decorated with natural beauty. Honeysuckle- Its sweet fragrance attracts butterflies and birds. With its special look, it can also be used as a best natural curtain for the balcony which will provide shade in summer. Passiflora- Its unique textured purple and white flowers are very attractive. It grows rapidly and acts as a natural shade to protect from the sun in summer.

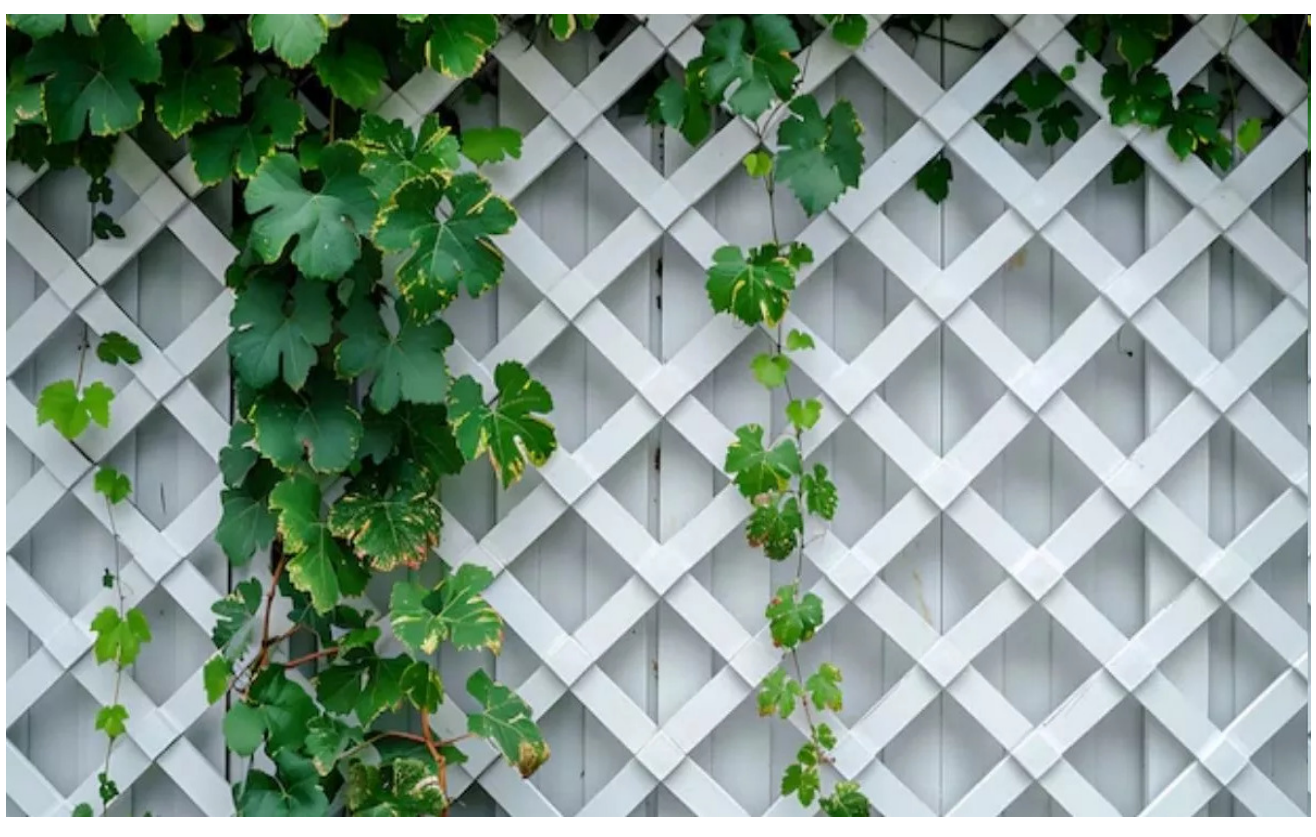

Did 'Param Sundari' pass or fail on the first day? Friday's result is out

Sidharth Malhotra and Janhvi Kapoor's romantic comedy film has finally been released in theatres on 29th August after a month's wait. The Friday box office result of this film which created a stir in the presence of War and on the first day, did the film surpass Coolie many crores Param Sundari film is made in a Sundari, there was a different excitement in Janhvi Kapoor on the big screen. After that the movie will rock the box office. Made mixed reviews from critics. Now the first day makers' pockets fill up or did the movie flop? Param Sundari started with so many crores where the movie had sold a good number of worldwide on 2500 screens. Before the release an opening of 7 to 9 crores on the first day. According to the report of Saconlic.com, domestic box office on the first day of its in the first day collection, but according to the of 'Param Sundari' is considered decent.

Coolie 2 is out. Param Sundari started with so many crores and War 2? Param Sundari film is made in a budget of so budget of so many crores Before the release of Param the audience to see the fresh pair of Siddharth Malhotra and watching the trailer of this romantic film, the audience felt under the banner of Maddock, the film 'Param Sundari' got box office figure of the film is also out. On Friday, did the Without delay, let's quickly look at the figures of the movie: Advance booking of Param Sundari started on 26th August, tickets by the night of 28th. The romantic movie was released of the movie, it was expected that Param Sundari would have The movie has completely lived up to this expectation. Param Sundari has taken an opening of 7.25 crores at the release. This movie could not leave War 2 and Coolie behind previous movies of both Siddharth and Janhvi, the opening However, these are the night figures of the movie, it may increase a little by morning. Param Sundari is made in a budget of this many crores. Directed by Tushar Jalota, the budget of this film is not very high. This film is made in a total budget of 40 to 50 crores. The way Coolie and War 2 are flopping at the box office, Param Sundari has a chance to recover its budget as well as be included in this year's hit list. Now it remains to be seen what wonders the film does on the weekend. Talking about the story of Param Sundari, it is the story of a boy who meets a girl from the South on a dating app. Param goes to Kerala to find out if this app is right or not and he falls in love with Sundari at first sight. However, Sundari gets engaged to her childhood friend Venu. Now the story of the film is about how Param and Sundari will meet.

Janhvi Kapoor's Shekhu might get angry with her, she told this man as her husband in front of the world

Janhvi Kapoor recently surprised everyone by revealing her husband amidst the release of her romantic comedy film Param Sundari. She said that whenever she goes outside India, she introduces someone else as her husband and not Shikhar Pahadia.Janhvi Kapoor talked about romance and dating, except Shikhar, she told this man as her husband No one flirts with Janhvi in ??the presence of this man Janhvi Kapoor often comes in the discussion about her personal life and professional life. On one hand, while her romantic comedy film 'Param Sundari' released in theaters today, on the other hand, the actress recently surprised everyone by revealing the name of her husband.If you are thinking that the man is businessman Shikhar Pahadia, then you are absolutely wrong, because that name is not of Shekhu, but of someone else. Recently, in a special conversation, Janhvi Kapoor told that she stops anyone from flirting with her because there is someone special in her life. Who is the person whom Janhvi called her husband? Let's find out: This is Janhvi's husband, not Shekhar? Recently, Janhvi Kapoor was a part of IMDB's original series Speed ??Dating, where she talked a lot about romance and her first date. However, along with this, Janhvi also told that she has made internet sensation and her closest friend Ori her 'fake husband' on many occasions. The actress said, "I have said this many times that I am married. It has happened to me many times outside India that people have come to meet me. Many waiters in Los Angeles send me their phone numbers, or bring something that I have not even ordered. Once it happened when I was with Ori and I told the other person that he is my husband". Janhvi Kapoor mentioned her first date Janhvi Kapoor, who is in the news for her love life with Shikhar Pahadia, also talked about dating. She said, "Your first date is the biggest one. You should never be late on it, rather you should come early. They get nervous. Small and emotional moments mean more to me than any materialistic things". Janhvi Kapoor's film 'Param Sundari' was released on Friday, which has received mixed response from the audience and critics. In this film, everyone has seen the pairing of Janhvi and Siddharth Malhotra for the first time. After this film, the actress will soon be seen in the film 'Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari' with another student Varun Dhawan.

These beauties do not leave fashion even in the gym, one of them is over 50

The actresses who look beautiful and fit on screen, sweat a lot in the gym to maintain themselves. But their gym look is more in the news than their workout. Often, videos and pictures of actresses going to the gym or coming back from the gym go viral in which they look casual as well as stylish. These beauties look stylish even in the gym. They do gym in a glamorous avatar. The actresses inspire many girls with their gym trends. The glamorous avatar of Bollywood actresses is always in the news but their gym looks garner a lot of attention on social media. Now take Malaika Arora, sometimes she gets praised for her gym outfit and fitness and sometimes she gets trolled because of her strange gait. But whatever it is, the gym look of actresses definitely grabs headlines and many people also get inspired by them. So let's see the gym looks of Malaika Arora to Tamannaah Bhatia which remain in the news every day. How can we talk about the fittest actresses of the film industry and not mention Malaika's name. Malaika is over 50 years old and even at this age she surprises everyone with her fitness. She follows her workout routine daily and inspires many girls and women with her fashion statement. Her go-to gym appearance shorts and stretchy pants are always in the news. Disha Patani, one of the glamorous actresses of Bollywood, is very active on social media, while her fans also follow her glamorous look as well as gym look. Disha works out regularly and many people are inspired by her discipline. Her go-to gym look is mostly shorts and stretchy pants in which she looks amazing. Janhvi Kapoor Janhvi Kapoor is in the news these days because of her films and her fashion sense. Jhanvi is not only a foodie but she also takes equal care of her health. Jhanvi goes to the gym regularly and keeps herself fit. In colourful vests and shorts gym wear, Jhanvi looks fit as well as glamorous. Tamannaah Bhatia Known as Milky Beauty, Tamannaah Bhatia is not only beautiful but also superfit. Tamannaah works as hard behind the scenes as she looks beautiful on screen. She works out regularly in the gym and her go to gym wear is casual shorts and shoes. Samantha Ruth Prabhu Samantha Ruth Prabhu inspires many people with her work and fitness. Samantha is very aware of her fitness and her pictures from gym workouts also keep coming out. Samantha's gym appearance is stretchy pants and casual shoes.